RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:27 ता. 20 जूलाई 2023, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

भाजपा के राष्ट्रवाद को एक और चुनौती! इंडिया का टैगलाइन होगा 'जीतेगा भारत'

इस गठबंधन को 'इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव एलायंस' नाम दिया गया है। इसे इंडिया नाम से भी जाना जाएगा। अब खबर आ रही है कि इस गठबंधन ने अपना टैगलाइन 'जीतेगा भारत' रखने का फैसला किया है।

नई दिल्ली। राष्ट्रवाद के मुद्दे पर आक्रामक तरीके से राजनीति करने वाली भारतीय जनता पार्टी को कांग्रेस की अगुवाई में विपक्षी दल लगातार चुनौती पेश कर रही है। विपक्षी एकजुटता की दूसरी बैठक में नाम का ऐलान कर दिया गया। इस गठबंधन को 'इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव एलायंस' नाम दिया गया है। इसे INDIA नाम से भी जाना जाएगा। अब खबर आ रही है कि इस गठबंधन ने अपना टैगलाइन 'जीतेगा भारत' रखने का फैसला किया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव की रणनीति तय करने के लिए 26 विपक्षी दलों की बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने विपक्षी दलों के नए गठबंधन के नाम 'इंडिया' का जिक्र करते हुए कहा कि अब लड़ाई इंडिया और केंद्र सरकार के बीच है। उन्होंने कहा कि हर कोई जानता है कि जब कोई भारत के खिलाफ खड़ा होता है तो

विजेता कौन होता है। बाद में राहुल ने ट्वीट किया, भारत जुड़ेगा, इंडिया जीतेगा। पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने यह भी कहा कि यह हर कोई जानता है कि जो लोग भारत का विरोध करते हैं या उससे लड़ने का प्रयास करते हैं, उनके साथ क्या होता है। मुझे इसमें जाने की ज़रूरत नहीं है कि यह लड़ाई कौन जीतेगा। यह भारत और भाजपा के बीच की लड़ाई है। उन्होंने इसे नए गठबंधन इंडिया और भाजपा के बीच जंग बताया।

राहुल गांधी ने कहा कि चार घंटे तक चले विपक्षी दलों के दूसरे विचार-विमर्श के दौरान चीजें बहुत सुचारू रूप से चलीं। उन्होंने कहा कि हम (विपक्षी दल) भारतीय संविधान, लोगों की आवाज और हमारे महान देश के विचार का बचाव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई राजनीति के विपरीत ध्रुवों पर खड़े दो गठबंधनों के बीच नहीं है बल्कि समावेशी भारत की रक्षा की लड़ाई है।

कार्ययोजना तैयार करेगा विपक्ष

अन्य नेताओं के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि विपक्षी दलों ने एक कार्य योजना तैयार करने का फैसला किया है जहां वे अपनी विचारधारा और कार्यक्रमों के बारे में बात करेंगे। उन्होंने कहा कि हम एक साथ आगे बढ़ेंगे और लोगों को अपनी विचारधारा के बारे में बताएंगे कि हम देश के लिए क्या करने की योजना बना रहे हैं।

लौटेगी तबाही? खतरे के निशान के ऊपर बहने लगी यमुना नदी; दिल्ली-एनसीआर में बारिश का भी अनुमान

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी ने रौद्र रूप दिखाया तो दिल्ली वालों को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ा। मंगलवार तक तो यमुना नदी का जलस्तर कम हो रहा था लेकिन अब बुधवार की सुबह अचानक यमुना नदी का जलस्तर फिर बढ़ गया। यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान के पार चला गया है। यमुना नदी ने हाल के दिनों में जो तबाही मचाई है उसके निशान अब भी राष्ट्रीय राजधानी में मौजूद हैं। लेकिन एक बार फिर यमुना के जलस्तर में बढ़ोतरी ने सभी को टेंशन में ला दिया।सुबह आठ बजे यमुना नदी का जलस्तर 205.48 मीटर पर था। सुबह नौ बजे यमुना का जलस्तर 205.60 मीटर तक जा पहुंचा। इधर मौसम विभाग ने

दिल्ली और एनसीआर में बारिश की आशंका भी जताई है। एक अधिकारी ने कहा कि बुधवार तक यमुना नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है जो स्थिर होगी। हालांकि, हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। दिल्ली रेलवे ब्रिज पर यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर है। मौजूदा हालात बता रहे हैं कि शाम 6-7 बजे तक यमुना का जलस्तर 205.72 मीटर तक पहुंच सकता है। हथिनीकुंड बैराज से छोड़े गए पानी की प्रवाह दर में मंगलवार दोपहर मामूली वृद्धि देखी गई थी जो 50,000 से 60,000 क्यूसेक के बीच थी। प्रवाह दर बुधवार सुबह सात बजे तक घटकर 39,000 के आस-पास रही। एक क्यूसेक का मतलब 28.32 लीटर प्रति सेकेंड पानी होता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 22 जुलाई तक उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की अलग-अलग जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है वहीं दिल्ली में बुधवार को मध्यम बारिश होने की संभावना है।

बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, बेंगलुरु में गिरफ्तार किए गए 5 संदिग्ध; गोला-बारूद भी मिला

बेंगलुरु। बेंगलुरु में क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता मिली है। यहां पांच संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने देशद्रोही गतिविधियों में लिप्त संदिग्धों की गिरफ्तारी की है। गिरफ्तार किए गए संदिग्धों के नाम जुनैद, सोहेल, उमर, मुदासिर और जाहिद है। इनके पास से विस्फोटक सामग्री, मोबाइल फोन और अन्य सामग्री भी बरामद की गई है। सीसीबी पांच अन्य संदिग्धों की भी खोज में लगी है। पुलिस का कहना है कि ये पांचों संदिग्ध 2017 के एक हत्याकांड मे भी शामिल थे। उन्हें बेंगलुरु सेंट्रल जेल भेजा गया था जहां वे कि छ आतंकियों के संपर्क में आ गए। इसके बाद आतंकियों ने उन्हें हथियार बनाने और चलाने की ट्रेनिंग भी दी थी। सीसीबी संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। ये पाचों संदिग्ध बेंगलुरु के अलग-अलग इलाकों में रहते थे। जांच एजेंसी को संदेह है कि ये पांचों मिलकर बेंगलुरु में धमाका करने की योजना बना रहे थे।

कहां के रहने वाले हैं ये संदिग्ध

जानकारी के मुताबिक ये पांचों ही बेंगलुरु के रहने वाले हैं। वे लगातार आतंकियों के संपर्क में थे और उन्हें आतंकियों से जानकारियां मिलती रहती थीं। जेल से रिहा होने के बाद से ही वे आतंकी गतिविधियों की योजना बनाने में लगे थे। सीसीबी को सबूत मिले हैं कि वे विस्फोटक सामग्री बनाते थे। पुलिस का दावा है कि उसके पास 10 संदिग्धों की जानकारी थी। इनमें से पांच को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनसे पूछताछ करने से बाकी पांच के बारे में भी पता चल सकता है। अधिकारियों का कहना है कि हो सकता है उन्हें सीमा पार से हथियार मिलेहों। राजस्थान या फिर गुजरात की सीमा से हथियारों की सप्लाई संभव है। अधिकारियों का यह भी कहा है कि यह आईएसआईएस का टेरर मॉड्यूल हो सकता है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों ने 2 मजदूरों को गोली मारी, सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी की

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में मंगलवार को आतंकवादियों ने दो गैर-स्थानीय लोगों को गोली मार दी। दोनों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। सुरक्षाबल इलाके की घेराबंदी कर हमलावरों की तलाश में जुटे हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों घायल महाराष्ट्र के रहने वाले हैं और एक ज्वेलरी शॉप पर काम करते हैं। घायलों की पहचान अक्षय और सौरव के रूप में हुई है। इस हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट के मुखपत्र कश्मीर फाइट ने ली है।

13 जुलाई को बिहार के 3 मजदूरों को मारी गई थी गोली-जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में 13 जुलाई को बिहार के रहने

वाले तीन प्रवासी मजदूरों को गोली मार दी थी। घायलों की पहचान अनमोल कुमार, हीरालाल यादव और पिंटू कुमार ठाकुर के रूप में हुई थी। इससे पहले 29 मई को अनंतनाग जिले में दूध खरीदने गए एक गैर-मुस्लिम युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने ली थी। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान जम्मू क्षेत्र के उधमपुर जिले के दीपू के रूप में हुई है, जो एक सर्कस में काम कर रहा था।

फरवरी में हुई थी कश्मीरी पंडित की हत्या-26 फरवरी को पुलवामा जिले के अचेन इलाके में कश्मीरी पंडित संजय शर्मा की आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्या की जिम्मेदारी आतंकी संगठन टीआरएफ ने ली थी। संजय एक बैंक में सिक्योरिटी गार्ड थे। इस मामले में स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने मंगलवार को साउथ कश्मीर के 3 जिलों में 10 ठिकानों पर छापेमारी की। अनंतनाग में 5, शोपियां में 4 और कुलगाम में 1 ठिकाने पर छापेमारी की गई।

भारी बारिश के बीच भगवती नगर शिविर से रवाना हुआ 4920 तीर्थयात्रियों का नया जत्था

जम्मू। भारी बारिश के बीच 'बम बम भोले' का जाप करते हुए बुधवार बाबा बर्फानी का दर्शन करने के लिए भगवती नगर आधार शिविर से दक्षिण कश्मीर के हिमालय में स्थित श्री अमरनाथ गुफा के लिए 4920 तीर्थयात्री रवाना हुए।

एक अधिकारी ने बताया कि 4920 तीर्थयात्रियों का एक जत्था 188 वाहनों के काफिले में आधार शिविर से रवाना हुआ। वहीं, 2566 तीर्थयात्रियों (1974 पुरुष, 496 महिलाएं, 11 बच्चे, 81 साधु और चार साध्वियां) का एक समूह 107 वाहनों के काफिले में पहलगाम के लिए रवाना हुआ।

उधर, 1381 पुरुष, 955 महिलाएं और 18 बच्चों का जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 81 वाहनों के काफिले में बालटाल के लिए रवाना हुए।

उल्लेखनीय है कि एक जुलाई को शुरू हुई श्री अमरनाथ यात्रा 31 अगस्त को समाप्त होगी।

सीमा हैदर को पाकिस्तान बॉर्डर पर फेंक देंगे अगर...करणी सेना ने दी धमकी

नोएडा। पाकिस्तान से अपने प्रेमी सचिन के लिए अवैध रूप से भारत आई सीमा हैदर को लेकर ना केवल पाकिस्तान में धमकियां मिल रही हैं बल्कि भारत में भी चेतावनी दी जा रही है। बता दें कि इन दिनों सीमा हैदर और सचिन से यूपी-एटीएस पूछताछ कर रही थी। पूछताछ के दौरान कुछ ऐसी बातें सामने आईं जिससे शक का दायरा बढ़ा है। कई संगठनों का कहना है कि किसी को इस तरह से भारत में रहने की अनुमति देना ठीक नहीं है क्योंकि वह आईएसआई की एजेंट भी हो सकती हैं। अब हिंदू संगठन करणी सेना ने धमकी दी है कि अगर सीमा के खिलाफ कार्रवाई ना की गई तो उन्हें उठाकर पाकिस्तान बॉर्डर पर

फेंक दिया जाएगा। करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकेश सिंह रावल ने कहा कि भारत कोई अनाथाश्रम नहीं है जहां कोई भी आकर आराम से रहने लगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सीमा हैदर पाकिस्तानी एजेंट हैं और उनका अवैध तरीके से भारत आना संदेह के घेरे में खड़ा करता है। उन्होंने कहा, हम ऐसे लोगों के आतंकवादी कहते हैं। किसी ने उनकी जांच नहीं की है। उनकी ठीक तरह से जांच होनी चाहिए थी। ऐसा भी हो सकता है कि उसने अपने शरीर में चिप लगाया हो। पाकिस्तान के साथ हमारे संबंध अच्छे नहीं हैं तो हम इसे हिंदुस्तान में बर्दाश्त नहीं कर सकते। करणी सेना ने कहा, हम यूपी एटीएस की कार्रवाई का स्वागत करेंगे। अगर ऐसा ना किया गया तो सीमा को पाकिस्तानी सीमा पर फेंक दिया जाएगा। मुकेश सिंह रावल ने कहा कि सीमा की स्कैनिंग होनी चाहिए और पता लगाना चाहिए कि उन्होंने कोई डिवाइस तो नहीं छिपा रखी है। उन्होंने कहा, 15 अगस्त करीब आ सकता है और हो सकता है कि आतंकियों ने कुछ प्लान किया हो। आखिर सीमा को इतना अटेंशन क्यों दिया जा रहा है? उन्हें जितनी जल्दी हो सके भारत से निकाल देना चाहिए। इससे पहले गौ रक्षा हिंदू दल ने भी 72 घंटे के अंदर सीमा को देश से बाहर करने का अल्टिमेटम दिया था। दल ने कहा था कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो वह आंदोलन शुरू कर देगा। बता दें कि पूछताछ के बाद सीमा हैदर, सचिन और उनके पिता को शर्तों के साथ जमानत दे दी गई है। सीमा से कहा गया है कि वह बिना पुलिस को जानकारी दिए अपना अड्रेस नहीं बदल सकती हैं।

बुलंदशहर में बड़ा हादसा

निर्माणाधीन मकान का लेंटर गिरा, 14 दबे, 4 की मौत

बुलंदशहर। बुलंदशहर जनपद के नरसेना थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। निर्माणाधीन मकान का लेंटर गिरने से एक ही परिवार के 5 बच्चों समेत 14 लोग दब गए। मलबे में दबकर दंपति समेत चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस और प्रशासनिक टीम मौके पर रेस्क्यू में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के गांव मवई निवासी राजपाल पुत्र हरचरण सिंह का मकान बन रहा था। मकान की पहली मंजिल पर पुराना लेंटर डाला हुआ था और दूसरी मंजिल का निर्माण किया जा रहा था। मंगलवार की शाम को पहली मंजिल के तीन कमरों के ऊपर लेंटर डाला गया था। परिवार के 12 लोग मकान के ग्राउंड फ्लोर और दंपति पहली मंजिल के बरामदे के ऊपर चारपाई डालकर सो गए। बुधवार की सुबह करीब 2:40 बजे दूसरी मंजिल पर डाला गया लेंटर भरभरा कर पहली मंजिल की छत पर गिर गया, जिसके चलते पहली मंजिल का लेंटर भी गिर

गया और सो रहा परिवार मलबे के नीचे दब गया। सूचना मिलते ही एसडीएम स्थाना अरविंद कुमार सिंह, सीओ भास्कर कुमार मिश्रा और आसपास के थानों की पुलिस फोर्स रेस्क्यू टीम लेकर मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। परिवार के सभी लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। जिनमें से राजपाल(52)पुत्र हरचरण, सुनीता 50 पत्नी राजपाल, धर्मेंद्र(19) पुत्र राजपाल अविवाहित, कुलदीप 25 पुत्र राजपाल शादी शुदा की मौत हो गई।

मलबे में ये दबे -राजपाल, पुत्र हरचरण, धर्मेंद्र 19 पुत्र राजपाल, कुलदीप 25 पुत्र राजपाल, सुनीता पत्नी राजपाल, डालचंद 22 पुत्र राजपाल, गीता पत्नी मनोज , मनोज के तीन बच्चे, पिंकी पत्नी कुलदीप, छोटी पत्नी डालचंद, प्रवेश देवी रिश्तेदार, डालचंद के 3 बच्चे लवी, योगिता कार्तिक हैं। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही रेस्क्यू शुरू करा दिया गया। पुलिस प्रशासन के अफसर मौके पर मौजूद हैं। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

हादसे का सीएम ने लिया संज्ञान, मृतकों के आश्रितों को 4-4 लाख मुआवजा- नरसेना थाना क्षेत्र के गांव मवई में मकान का लेंटर गिरने से दबकर 4 लोगों की मौत के मामले का सीएम योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी अफसर मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गए। मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए आर्थिक सहायता दी जाएगी। साथ ही अन्य जो सहायता दी जा सकती है उसे भी प्रदान कराया जाएगा। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने मौके का जायजा लिया और पीड़ितों से वार्ता की।

सपा विधायक अबू आजमी ने वंदे मातरम कहने से मना कर दिया

मुंबई । महाराष्ट्र विधानसभा सदन में बुधवार को उस वक्त हंगामा शुरू हो गया, जब समाजवादी पार्टी विधायक अबू आजमी ने वंदे मातरम कहने से मना कर दिया। सपा विधायक अबू ने उस समय बड़ा विवाद खड़ा कर दिया, जब उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा में 'वंदे मातरम' कहने से इनकार कर दावा किया कि उनका धर्म (इस्लाम) इसकी इजाजत नहीं देता है। इसके अलावा अबू आजमी ने कहा, 'हम वहां है, जिनके पूर्वजों ने इस देश के लिए अपनी जान दी, जिन्होंने पाकिस्तान को नहीं भारत को अपना मुल्क माना। हमें इस्लाम सिखाता है की सर उसी के आगे झुकाओ जिसने ये सारा जहान बनाया। मेरे मजहब के मुताबिक अगर मैं वंदे मातरम नहीं बोल सकता हूं, तब इस से मेरे दिल में मेरे मुल्क के लिए इज्जत और मेरी वतनपरस्ती में कोई कमी नहीं होती और इससे किसी को आपत्ति होनी भी नहीं चाहिए, जितने आप इस मुल्क के उतने हम भी!' आजमी ने कहा, सकल हिन्दू समाज की सभाओं से महाराष्ट्र के कई जिलों में हिंसा हुई है, लेकिन इन सभाओं में हेट स्पीच देने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। उसका नतीजा राम नवमी पर औरंगाबाद में हिंसा हुई और अपने घर के गेट में खड़े मुनिरुद्दीन पुलिस की गोली से शहीद हुआ। मुनिरुद्दीन और उसके परिवार को महाराष्ट्र सरकार इंसाफ नहीं देगी।

आंध्र प्रदेश में आदिवासी युवक से मारपीट कर चेहरे पर पेशाब किया

अमरावती । आंध्र प्रदेश में आदिवासी युवक के साथ मारपीट करने के बाद उसके चेहरे पर पेशाब करने वाले युवकों के एक समूह की शर्मनाक हरकत सामने आई है। करीब एक माह पहले प्रकाशम जिले के ओंगोल शहर में हुई घटना का चौंकाने वाला वीडियो सामने आया। घटना आरोपी और पीड़ित के बीच प्रतिद्वंद्विता का नतीजा थी। आरोपी और पीड़ित दोनों ही आपराधिक पृष्ठभूमि वाले हैं। पुलिस ने इस मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित मोटा नवीन को 19 जून को मन्नम रामंजनेयुलु और आठ अन्य व्यक्तियों ने पीटा और उस पर पेशाब किया। उन आठ में से दो किशोर थे, जबकि रामंजनेयुलु अब भी फरार है। पुलिस ने बताया, 'रामंजनयुलु और नवीन दोस्त थे, लेकिन रामंजनयुलु के दोस्त की रिश्तेदार लड़की के साथ उसके रिश्ते को लेकर उनमें अनबन हुई थी। नवीन के लड़की के साथ भागने के बाद, उसके खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर रिमांड पर भी भेजा गया था। हालांकि, नवीन ने अभी भी लड़की के साथ अपना संबंध जारी रखा था, जिससे रामंजनेयुलु और उसके दोस्त नाराज थे, जिससे उनकी दोस्ती में इस हद तक तनाव आ गया कि वे आपस में बातचीत भी नहीं कर रहे थे। कुछ दिनों के बाद, रामंजनेयुलु ने सुलह का नाटक कर नवीन को बुलाया, लेकिन साथ में शराब पीने के बाद, उसने और उसके दोस्तों ने नवीन पर हमला कर दिया। आरोपी ने उस पर पेशाब भी किया। हमले के बाद, नवीन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती भी हुआ, लेकिन मामले को आगे नहीं बढ़ाया एवं पेशाब की घटना का खुलासा भी नहीं किया। एक आरोपी द्वारा सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड करने और इससे आक्रोश फैलने के बाद पुलिस हरकत में आई और गिरफ्तारियां हुईं।

ऑस्ट्रेलिया के समंदर में मिला भारतीय रॉकेट पीएसएलवी का हिस्सा, इसरो ने की पुष्टि

नई दिल्ली । चंद्रयान-3 के चांद पर उतरने का इंतजार करने के दौरान ही आस्ट्रेलिया के समंदर में एक अजीबोगरीब वस्तु मिली हैं, जिसे कहा जा रहा है कि यह चंद्रयान मिशन का ही कोई हिस्सा है। हालांकि इसरो ने इसकी पु?ष्टि जरुर की है कि यह भारतीय राकेट का ही एक टुकड़ा है जो कई साल पुराना है। इधर ऑस्ट्रेलिया से आई एक तस्वीर ने टेंशन तो पैदा कर दी। जानकारी के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के समुद्री तट पर गुंबद के आकार की रहस्यमय वस्तु बहकर आई है। लोगों का कहना है कि यह भारतीय रॉकेट का टुकड़ा हो सकता है जिसका इस्तेमाल सैटलॉइट लॉन्च के लिए किया गया था। इसे चंद्रयान-3 के रॉकेट से भी जोड़कर देखा जाने लगा। गुंबद के आकार की यह चीज पर्थ से करीब 250 किमी उत्तर में ग्रीन हेड समुद्र तट पर मिली। यह कब की है, पता नहीं चला। कुछ खबरों में इसे 20 साल पुराना बताया गया। वहीं भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को ऑस्ट्रेलियाई अंतरिक्ष एजेंसी से इसकी जानकारी दी है। अब इसरो के एक अधिकारी ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि हां, यह हमारे पुराने पीएसएलवी रॉकेट का ही हिस्सा है। मिली जानकारी के अनुसार विशालकाय कॉपर कलर का दिखने वाला यह रहस्यमय सिलेंडर इसरो से जुड़ा है। इसरो ने मंगलवार रात टीओआई को बताया कि यह पीएसएलवी रॉकेट का ही एक हिस्सा है। यह ऑस्ट्रेलिया कैसे पहुंच गया? इस जिज्ञासा को शांत करते हुए इसरो के सीनियर अधिकारी ने बताया कि आमतौर पर पीएसएलवी दक्षिण दिशा की ओर ही लॉन्च किया जाता है। ऐसे में यह ऑस्ट्रेलिया की तरफ गिरा और वर्षों तक समुद्र में बहता रहा और अब किनारे आ गया। इसरो की इस पुष्टि से साफ हो गया है कि मलबा नया नहीं है और इसका 14 जुलाई 2023 को लॉन्च किए गए चंद्रयान-3 के रॉकेट से कोई कनेक्शन नहीं है। दरअसल, कई ट्वीट चंद्रयान-3 हैशटैग के साथ किए जाने लगे थे। इससे पहले विचित्र सी दिखने वाली इस चीज को अंतरिक्ष कचरे का टुकड़ा घोषित कर दिया गया था।

कटुआ में भारी बारिश से कई मकान हुए क्षतिग्रस्त, पांच की मौत

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के कटुआ जिले में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन और कई मकानों के क्षतिग्रस्त होने से तीन बच्चों सहित कुल पांच लोगों की मौत हो गई। कटुआ के उपायुक्त राकेश मिन्हास ने मृतकों के परिजनों को तत्काल 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने का आदेश दिया है। उपायुक्त मिन्हास ने बताया, बारिश संबंधित घटनाओं में पांच लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि तीन अन्य लोग अभी भी बानी तहसील में ढहे मकान के मलबे में फंसे हुए हैं। उपायुक्त ने कहा कि मृतकों के परिजनों के लिए 50,000 रुपये और घायलों के लिए 25,000 रुपये की तत्काल राहत मंजूर की गई है। उन्होंने कहा कि सुरजन में गिरे मकान के मलबे में फंसे तीन लोगों का पता लगाने के लिए बचाव अभियान जारी है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि गांव में दो और घर ढह गए, जिसमें पांच लोग फंसे हैं। उन्होंने बताया कि बचावकर्मियों ने शाहबाज अहमद (14) और नजीर तबस्सुम (10) के शव बरामद कर लिए है, जबकि तीन अन्य अभी भी लापता हैं और उन्हें मलबे से निकालने के लिये अभियान जारी है। अधिकारी ने बताया कि सिट्ठी गांव में 13 वर्षीय एक किशोर अपने घर के पास हुए भूस्खलन की चपेट में आ गया। वहीं, द्रांगल-मंडोट में अपने घर के पास हुए भूस्खलन की चपेट में आने के बाद जान गंवाने वाली 55 वर्षीय एक महिला का शव बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि डग्गर के पास भुलडी नाला में भूस्खलन के कारण शाम लाल (50) नामक व्यक्ति की मौत हो गई।

इंफाल में भीड़ ने आईपीएस अधिकारी के वाहन को आग लगा दी

इंफाल । इंफाल पश्चिम के क्राकीथेल इलाके में एक भीड़ ने एक आईपीएस अधिकारी के वाहन को आग लगा दी, जबकि एक अन्य घटना में, उसी जिले में रैपिड एक्शन फोर्स के साथ झड़प के दौरान कम से कम 19 महिलाएं घायल हो गईं। यह जानकारी पुलिस ने दी। भीड़ ने के. कबीब के वाहन में आग लगा दी, जब वह अपनी एस्कॉर्ट टीम के साथ टिडिम रोड पर इंफाल की ओर जा रहे थे। घटना के दौरान, एक पुलिस कर्मी जलते हुए वाहन के अंदर से निकली गोली से घायल हो गया, जो उसके पैर में लगी। हालांकि, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सुरक्षित रहे। सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और बाद में 30 हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया। दूसरी घटना में, राज्य में शांति और सामान्य स्थिति की बहाली की मांग को लेकर धरने में भाग लेने के बाद महिलाओं और आरएएफ कर्मियों के बीच झड़प हो गई।राष्ट्रीय ध्वज थामे हुए, उन परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले नौ व्यक्ति भी धरने में शामिल हुए, जिनके सदस्य पहले खमेनलोक घटना में मारे गए थे। प्रदर्शनकारियों ने जब सिंगजामेई बाजार से बाबूपारा स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर बढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस बीच, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। सीएम सचिवालय में आयोजित बैठक में मणिपुर सरकार के मुख्य सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह, मुख्य सचिव विनीत जोशी, पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने बाद में ट्वीट किया, राज्य सरकार राज्य में सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए हर संभव उपाय कर रही है।

मानसून सत्र में मोदी सरकार को घेरने 20 जुलाई को बैठक करेगा इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी दलों के नए गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया) के नेता मानसून सत्र में मोदी सरकार को घेरने की रणनीति तय करने के लिए गुरुवार को पहली बैठक करने वाले हैं। सूत्रों ने बताया कि राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के संसद भवन स्थित कक्ष में 20 जुलाई की सुबह विपक्षी गठबंधन की बैठक होगी।

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से आरंभ होकर 11 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान संसद के दोनों सदनों की कुल 17 बैठकें प्रस्तावित हैं। विपक्ष के 26 दलों ने अगले आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को कड़ी चुनौती देने के प्रयास के तहत 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया)' नाम से नए गठबंधन की घोषणा की। जहां सत्ता पक्ष महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने का प्रयास करेगा, वहीं दूसरी ओर विपक्ष मणिपुर हिंसा, रेल सुरक्षा, महंगाई और अडाणी मामले पर जेपीसी गठित करने की मांग सहित अन्य मुद्दों पर मोदी सरकार को घेरने की कोशिश करेगा।

लोकसभा सचिवालय के अनुसार, मानसूत्र सत्र या 17वीं लोकसभा के 12वें सत्र के दौरान लिए जाने वाले सरकारी कार्यों की संभावित सूची में 21 नए विधेयकों को पेश व पारित करने के लिए शामिल किया गया है। इसमें दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार संशोधन विधेयक 2023 भी शामिल है। यह विधेयक संबंधित अध्यादेश का स्थान लेने के लिए पेश होगा। आम आदमी पार्टी मुद्दे को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साध रही है।

सूत्रों का कहना है कि सत्र में महत्वपूर्ण विधेयक पेश होने हैं, इसके बाद सभी दलों को सत्र चलाने में सहयोग करना चाहिए क्योंकि सरकार नियम व प्रक्रिया के तहत किसी भी विषय पर चर्चा कराने से पीछे नहीं हट रही है। वहीं, हाल में कांग्रेस पार्टी की, संसदीय रणनीति समूह की बैठक में सत्र के दौरान मणिपुर हिंसा, रेल सुरक्षा, संघीय ढांचे पर कथित आक्रमण, जीएसटी को पीएमएलए के दायरे में लाने और महंगाई पर चर्चा कराने की मांग उठाने पर जोर देने की बात कही गई थी।

न एनडीए, न इंडिया, अकेले लोकसभा चुनाव लड़ेगी बसपा : मायावती

लखनऊ । बसपा सुप्रीमों मायावती ने कहा है ?कि हम अकेले ही अपनी दम पर चुनाव लड़ेंगे। इस तरह से बेंगलुरु में मंगलवार को हुई विपक्षी दलों की दूसरी महाबैठक पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने हमला बोला है। मायावती ने आज लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि विपक्षी गठबंधन सत्ता में आने के सपने देख रहा है। बीएसपी प्रमुख मायावती ने एनडीए या इंडिया गठबंधन से दूरी बनाए रखने का ऐलान किया है। मायावती ने बीजेपी और कांग्रेस पर सत्ता के लिए गठबंधन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जातिवादी दलों से गठबंधन बना रही है। वहीं बीजेपी आम जनता की दिक्कतों को दूर करने की स्वार्थ सिद्धि का है। मायावती ने दावा किया कि बीएसपी राजस्थान-छत्तीसगढ़ में अकेल चुनाव लड़ेगी। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि लोकसभा चुनाव नजदीक हैं, हमारी तैयारियां जोरों पर चल रही हैं और हम देश भर में बैठकें भी कर रहे हैं। हम अकेले चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि हम राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना में अपने दम पर चुनाव लड़ेंगे और हरियाणा, पंजाब और अन्य राज्यों में हम राज्य की क्षेत्रीय पार्टियों के साथ चुनाव लड़ सकते हैं। हमने कांग्रेस और बीजेपी दोनों से दूरियां बनाई हैं क्योंकि दोनों के दावे हवा-हवाई हैं।

अयोध्या का राम लला मंदिर बनेगा भव्यता व मजबूती की मिसाल

-हजार साल तक नहीं होगी मरम्मत की जरुरत, भूकंप भी नहीं हिला पाएगा

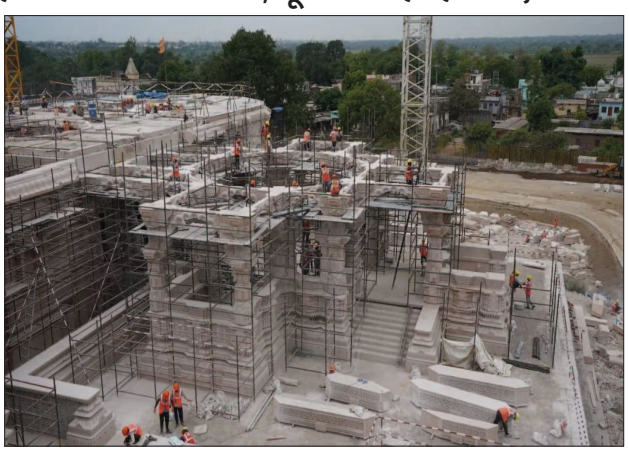

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में तैयार हो रहे राम लला मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे हजारों साल तक मरम्मत की जरुरत नहीं होगी, न ही इसे तीव्रता का भूकंप भी हिला सकेगा। यह खुलासा ट्रस्ट की ओर से किया गया है। गौरतलब है कि मंदिर का अगले साल जनवरी में उद्घाटन होने की उम्मीद है। मंदिर निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। और लोगों की उत्सुकता भी उतनी ही तेजी से बढ़ रही है। जिस तरह से मंदिर का निर्माण किया जा रहा है, इसमें कोई दो मत नहीं है कि यह भविष्य में भारत के दर्शनीय स्थलों में से एक बनेगा। अब इस मंदिर को लेकर एक जानकारी और सामने आई है कि, मंदिर को हजार साल तक किसी मरम्मत की जरूरत नहीं पड़ेगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का कहना है कि अगले एक हजार साल तक मंदिर को ना तो किसी मरम्मत की जरूरत पड़ेगी, ना ही इसमें किसी तरह की कोई दिक्कत आएगी। यहां तक कि मंदिर को 6.5 रिक्टर पैमाने जैसी उच्चतम तीव्रता वाले भूकंप भी इसे हिला नहीं पाएंगे।

मंदिर को बनाने वाली निर्माण एजेंसी एलएंडटी के परियोजना निदेशक विनोद कुमार मेहता का कहना है कि, हमने जहां पिलर की मोटाई को बढ़ाया है वहीं दीवारों में भी भारी पत्थरों का इस्तेमाल किया है। इसके साथ ही नींव को मजबूत बनाने के लिए उसमें भी भारी पत्थरों को ही लगाया गया है। इमारत को नीचे से ऊपर तक इतना मजबूत तैयार किया गया है कि बड़े झटके भी इसे किसी तरह की क्षति नहीं पहुंचा सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चंपत राय का कहना है कि मंदिर की नींव 50 फीट गहरी और पूरी तरह से पत्थर, सीमेंट और दूसरी सामग्री की बनी हुई है। मंदिर निर्माण में स्टील या लोहे का कहीं भी इस्तेमाल नहीं किया गया है। नींव के लिए पहले एक 50 फीट गहरा, 400 फीट लंबा और 300 फीट चौड़ा गड्ढा खोदा गया जिसे फ्लाइ एश (राख) और छोटे पत्थरों सहित अन्य निर्माण सामग्री और ठोस सीमेंट की परतों से भरा गया।

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया, 'राम मंदिर के भूतल पर 80 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसके साथ ही कुल 162 स्तंभ तैयार हैं और इन स्तंभों पर केरल और राजस्थान के कारीगर मिलकर 4,500 से अधिक मूर्तियां बना रहे हैं। ये मूर्तियां भक्तों को त्रेता युग की एक झलक देंगी। यही नहीं राम मंदिर का ढांचा संगमरमर से बना है, जबकि दरवाजे महाराष्ट्र से लाई गई सागौन की लकड़ी से बने हैं, जिन पर नक्काशी का काम भी शुरू हो गया है। गर्भगृह में मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा 15 से 24 जनवरी के बीच कभी भी की जा सकती है और अक्टूबर महीने तक मंदिर के भूतल का काम पूरा हो जाएगा। रामलला की मूर्ति मंदिर की पहली मंजिल पर स्थापित की जाएगी।

विपक्षी दलों की बैठक में नहीं बुलाने पर भड़की ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। जहां दिल्ली में कल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक हुई वहीं बेंगलुरू में विपक्षी पार्टियों के घटक दलों की नई मीटिंग हुईं। विपक्ष के 26 दलों की दो दिवसीय मीटिंग में नहीं बुलाए जाने पर अब असदुद्दीन ओवैसी की अगुआई वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी ने सवाल खड़े किए हैं। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने बेंगलुरु मीटिंग पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि कथित धर्मनिरपेक्ष पार्टियों की ओर से उनकी पार्टी को शामिल होने के लिए न्योता नहीं भेजा। उनके लिए असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम 'राजनीतिक अछूत' है। उन्होंने बेंगलुरु में मंगलवार को संपन्न हुई विपक्ष की दो दिवसीय बैठक में एआईएमआईएम को आमंत्रित नहीं करने के लिए समान विचारधारा वाले 26 दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि कथित धर्मनिरपेक्षों के लिए हम 'राजनीतिक अछूत' हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कोई कैसे असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी को इग्नोर कर सकता है। वारिस पठान ने कहा कि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओवैसी और उनकी पार्टी बीजेपी को हराने के लिए प्रयास कर रहे हैं। लेकिन यह विपक्षी दलों का गठबंधन एआईएमआईएम की उपेक्षा कर रहा है। पठान ने समान विचारधारा वाले इन 26 दलों के कई नेताओं पर निशाना साधते हुए उनको कथित धर्मनिरपेक्ष बताते हुए कहा कि इसमें वो दल और उसके नेता हैं जो कि भाजपा की गोद में बैठकर सरकार चला चुके हैं या भाजपा के साथ रहे हैं जैसे नीतीश कुमार, उद्धव ठाकरे और महबूबा मुफ्ती शामिल हैं। वहीं उन्होंने दिल्ली के सीएम और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वो गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को खूब गालियां देते और कोसते रहे हैं। लेकिन वहीं केजरीवाल बेंगलुरु में कांग्रेस के साथ बैठते हैं। जबकि एआईएमआईएम भाजपा को 2024 के चुनाव में हराने के लिए पूरे प्रयास कर रही है। लेकिन विपक्षी दल असदुद्दीन ओवैसी और उनकी पार्टी की उपेक्षा कर रहा है।

गौरतलब है कि दो दिवसीय बेंगलुरु मीटिंग में समान विचारधारा वाले 26 विपक्षी दलों के समूह ने एक नाम पर इंडिया यानी इंडियन नेशनल डेवेल्पमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस पर सहमति जताई है। इस नाम का प्रस्ताव वेस्ट बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रस्तावित किया था। इस पर लंबी चर्चा के बाद ही इस नाम पर अंतिम सहमति बनी।

रूस ने दस्तावेज की स्थिति से खुद को अलग किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन और रूस ने जी20 परिणाम दस्तावेज और अध्यक्ष के सारांश का समर्थन करने से इनकार किया, जिसकी गांधीनगर में तीसरी जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नर्स (एफएमसीबीजी) की बैठक के समापन पर यूक्रेन के खिलाफ रूस संघ की आक्रामकता की कड़े शब्दों में निंदा की गई। जबकि चीन ने कहा कि जी20 एफएमसीबीजी बैठक भूराजनीतिक मुद्दों पर चर्चा के लिए सही मंच नहीं थी, रूस ने दस्तावेज की स्थिति से खुद को अलग कर लिया। अधिकांश सदस्यों ने यूक्रेन में युद्ध की कड़ी निंदा की और इस बात पर जोर दिया कि यह भारी मानवीय पीड़ा पैदा कर रहा है और मौजूदा स्थिति को बढ़ा रहा है। परिणाम दस्तावेज में दोहराया गया, परमाणु हथियारों का उपयोग या उपयोग की धमकी अस्वीकार्य है। संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान, संकटों को दूर करने के प्रयास, साथ ही कूटनीति और संवाद महत्वपूर्ण हैं। आज का युग युद्ध का नहीं होना चाहिए। इस बीच, कहा गया गया कि खाद्य असुरक्षा के खिलाफ आईएफएडी की लड़ाई का समर्थन करने के लिए, आईएफएडी सदस्यों द्वारा वर्ष के अंत में कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष (आईएफएडी) संसाधनों की एक महत्वाकांक्षी पुन:पूर्ति की आशा करता है। एफएमसीबीजी ने सेंट्रल बैंक डिजिटल मुद्राओं की शुरूआत और अपनाने से उत्पन्न होने वाले संभावित मैक्रो-वित्तीय प्रभावों पर चर्चा का स्वागत किया, विशेष रूप से सीमा पार भुगतान के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक और वित्तीय प्रणाली पर। इसने प्रभावी, व्यापक और व्यवस्थित तरीके से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में ऋण कमजोरियों को संबोधित करने के महत्व पर फिर से जोर दिया।

टमाटर बेचकर हिमाचल का किसान बन गया करोड़पति

-8300 क्रेट बेच कमाए 1 करोड़ 10 लाख

मंडी (एजेंसी)। (टमाटर के बढ़ते दाम हिमाचल प्रदेश के एक किसान के लिए वरदान बन गया हैं। किसान ने टमाटर बेचकर करोड़ों रुपये कमा लिए। हम बात कर रहे हैं हिमाचल के मंडी जिला के ढाबण गांव के 67 वर्षीय किसान जयराम सैनी की कर रहे हैं। सैनी पिछले 52 साल से टमाटर की खेती कर रहे हैं, लेकिन आजतक उन्हें कभी इतना फायदा नहीं हुआ है। जयराम अबतक टमाटर के 8300 से ज्यादा क्रेट बेच चुके हैं। जिससे वहां 1 करोड़ 10 लाख रुपये कमा चुके हैं। जयराम का कहना है कि टमाटर के दाम बढ़ने से उन्हें मोटा मुनाफा हुआ है। जयराम का कहना है कि मैं अब नया ट्रैक्टर लूंगा, उनका ट्रैक्टर पुराना हो चुका है। किसान जयराम ने बताया कि उन्होंने इस बार डेढ़ किला जमीन में टमाटर का बीज बोया था। उनकी कुछ फसल बर्बाद भी हो गई थी, लेकिन इसके बावजूद उन्हें अच्छा मुनाफा हुआ है। जयराम अभी टमाटर के 500 और क्रेट बेचने वाले हैं। उनका कहना है कि अगर उनकी फसल बीमारी से खराब नहीं होती, तब वहां टमाटर के 12 हजार क्रेट बेच सकते थे। युवाओं को संदेश देकर जयराम ने कहा कि खेत से भी सोना निकाला जा सकता है। नौकरियों के पीछ भागने वाले युवाओं को खेती की तरफ अपना रुख करना चाहिए। देश में जब टमाटर का संकट पैदा हुआ, तब हिमाचल का टमाटर हर जगह बिका। जयराम ने बताया कि पिछले साल उन्होंने टमाटर के 10 हजार क्रेट की ब्रिकी की थी। लेकिन उन्हें सिर्फ 55 लाख रुपये आमदनी हुई थी। वहीं इस बार सिर्फ 8 हजार क्रेट बेचने पर ही वहां करोड़पति बन गए। जयराम ने बताया कि वहां करीब 60 बीघा भूमि में टमाटर की

खेती करते हैं। उनका छोटा बेटा भी पिता का हाथ बंटाता है। जयराम अच्छी गुणवत्ता वाला टमाटर ही उगाते हैं। जयराम टमाटर को सीधा दिल्ली की आजादपुर मंडी में बेचते हैं। वहां पिछले 10-15 सालों से वहीं टमाटर बेच रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल का निर्णय, अब कांग्रेस के खिलाफ आप एक शब्द भी नहीं बोलेगी

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम व आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने निर्णय लिया है कि अब आप कांग्रेस के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोलेगी। केजरीवाल ने यह संदेश बेंगलुरू में हुई बैठक के बाद अपने सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं और सोशल मीडिया की टीम को दिया है। गौरतलब है कि कल बेंगलुरु में 26 विपक्षी दलों की बैठक हुई। इसमें 2024 लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के खिलाफ रणनीति पर चर्चा हुई। विपक्षी दलों ने अपने गठबंधन का नाम इंडिया रखा, जिसका फुल फॉर्म इंडियन नेशलन डव्हलपमेंटल इन्क्लूसिव अलिआंस है। कांग्रेस ने बैठक से एक दिन पहले केंद्र द्वारा लाए गए दिल्ली अध्यादेश पर अपना रुख साफ करते हुए आम आदमी पार्टी का समर्थन करने का फैसला किया। इसके बाद आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भी बेंगलुरु की बैठक में शामिल हुए। मीडिया में आई एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया कि मंगलवार को विपक्षी दलों की बेंगलुरु बैठक के बाद आम आदमी पार्टी (आप) नेतृत्व ने अपनी सोशल मीडिया टीम से कांग्रेस के खिलाफ कोई ट्वीट नहीं करने और समग्र रूप से संयमित रुख अपनाने को कहा है। वहीं कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से विपक्षी दलों की बैठक में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बेंगलुरु संबोधन को ट्वीट करना कांग्रेस की राज्य इकाई के नेताओं को पसंद नहीं आया।

सीमा हैदर के कोडवर्ड को डिकोड करेगी एटीएस, अहम सुराग मिलने का दावा

-आईएसआई से संबन्ध होने के शक में फूफी, फल और हिंदी बोलने पर हो रही पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान से भारत पहुंची सीमा हैदर पर एटीएस का शक गहराता जा रहा है। अवैध रूप से घुसपैठ को लेकर जांच एजेंसियां लगातार उससे पूछताछ कर रही हैं। सीमा से जहां आईएसआई से संबन्ध होने को लेकर कोड वर्ड के बारे में पूछा जा रह है वहीं उसके शुद्ध हिंदी बोलने पर भी गड़बड़झाला नजर आ रहा है। उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ता भी इस मामले में सीमा हैदर से पूछताछ कर रहा है। इजेंसी की अभी तक की पूछताछ में यह भी पूछा गया कि क्या तुम्हें किसी ने मोबाइल फोन पर मैसेजिंग और इंटरनेट से चैटिंग में सावधानी बरतने के लिए कहा था? प्राप्त जानकारी के अनुसार एटीएस ने सीमा हैदर से पूछा कि क्या तुम कोई कोडवर्ड भी प्रयोग करती थी बातचीत करने के लिए? पूछताछ में यह भी पूछा कि क्या कभी 'फूफी' और 'फल' कोडवर्ड का भी प्रयोग किया था? बता दें कि आईएसआई में फूफी उस शख्स को कहा जाता है जो देश से जुड़ी जानकारियां आईएसआई तक भेजने का काम करता है। जहां फल रुपये के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

वहीं सीमा हैदर के शुद्ध हिंदी बोलने पर भी सवाल खड़ा हो रहा है। यूपी एटीएस ने सीमा से यह भी पूछा कि तुम इतनी शुद्ध हिंदी कैसे बोल लेती हो? तुम्हे हिन्दू रीति रिवाजों के बारे में कैसे पता है? सीमा हैदर के नोएडा स्थित रबूपुरा गांव तक पहुंचने में किन लोगों ने मदद की, इसे लेकर वह सही जवाब नहीं दे पाई है। यूपी एटीएस को पूछताछ में एक और महत्वपूर्ण जानकारी हासिल हुई है। सीमा ने कुछ सैन्य अधिकारियों को भी फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी थी। यूपी एटीएस ने सीमा हैदर से मंगलवार की शाम तकरीबन 8:30 बजे तक पूछताछ की उसके बाद उसे रबूपुरा थाने ले जाया गया। देर रात 9 बजे तक सीमा हैदर को रबूपुरा पुलिस थाने की सुरक्षा में रखा गया था। इसके बाद एटीएस ने उसे सेफ हाउस में रखा है। सचिन भी उसके साथ ही था। सूत्रों के मुताबिक सीमा पाकिस्तानी महिला है इस कारण कोई हमला भी कर सकता है इसलिए सतर्कता बरत रही है।

आज तीसरे दिन भी सीमा हैदर और सचिन से पूछताछ का सिलसिला जारी रहा है। जांच में जुटी यूपी पुलिस अब कुछ बैंक खातों से जुड़ी ट्रांजेक्शन भी चेक कर रही हैं जो सचिन और उसके जानकारों के हैं। जानकारी जुटाई जा रही है कि पाकिस्तान से चलने के बाद सीमा के पास कुल कितनी रकम थी, क्या उसने सचिन के खाते में कभी कोई रकम डाली थी। सचिन ने भी कुछ पैसे सीमा को दिए थे। सचिन ने कितनी रकम सीमा को दी थी, क्या सीमा ने उस पैसे को किसी खाते में ट्रांसफर करवाया था या क्यों मांगा गया था। बैंक डिटेल चेक करने के पीछे का मकसद किसी तरह के फाइनेंशियल सपोर्ट का पता लगाना है। क्योंकि जिस तरह से सीमा हैदर ने 5 पासपोर्ट तैयार किए और 2 बार पाकिस्तान से नेपाल आई और फिर भारत पहुंची यह सब शक के दायरे में आ रहा है।

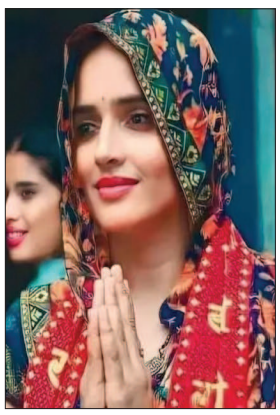

सुपर मॉडल गिगी हदीद गिरफ्तार, सुरक्षा जांच में मिला गांजा

लॉस एजेलिस । हॉलीवुड की सुपरमॉडल और एक्ट्रेस गिगी हदीद को गांजा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्हें केमैन के ओवेन रॉबर्ट्स इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पकड़ा है। हालांकि बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। इसके तुरंत बाद उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किया। जानकारी के अनुसार सुपरमॉडल केमैन आइलैंड में छुट्टियां मनाकर लौट रही थीं जब कस्टम विभाग को उनके सामान से ड्रग्स बरामद हुए। गिगी हदीद और उनकी एक दोस्त निजी विमान से केमैन आइलैंड पहुंचे थे। जांच करने पर कस्टम ऑफिसर को उनके सामान में नशा संबंधित सामान मिला। गिगी हदीद को मारिजुआना आयात करने के शक में गिरफ्तार किया गया। यह मामला 10 जुलाई का है जो अब सामने आया है। 12 जुलाई 2023 को गिगी और उनकी दोस्त मैक्कार्थी समरी कोर्ट में पेश हुईं, और ऑफिसर्स ने उन्हें आरोपों के लिए दोषी ठहराया। बाद में एक हजार डॉलर का जुर्माना लगाने के बाद दोनों को जमानत पर रिहा कर दिया गया। इस मामले में हदीद के एक प्रवक्ता ने सफाई में कहा कि सुपरमॉडल मेडिकल लाइसेंस के साथ एनवाईसी में कानूनी रूप से खरीदे गए मारिजुआना के साथ यात्रा कर रही थीं। यह 2017 से ग्रैंड केमैन में चिकित्सा उपयोग के लिए भी कानूनी है। उसका रिकॉर्ड स्पष्ट है और उन्होंने आइलैंड पर अपने बाकी समय का भरपूर आनंद लिया। रिहा होने के बाद हदीद ने केमैन आइलैंड्स पर ली गई अपनी हॉलिडे फोटोज और वीडियो शेयर किए और लिखा, अंत भला तो सब भला। इस वीडियो में वह बिकिनी पहने और समुद्र के किनारे दोस्त के साथ धूप का आनंद लेती दिखाई दे रही है।

भारत ने हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए संयुक्त राष्ट्र को 10 लाख डॉलर का दान दिया

जिनेवा। भारत ने हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए संयुक्त राष्ट्र को 10 लाख डॉलर का दान दिया है।भारत के योगदान को स्वीकार कर ग्लोबल कम्युनिकेशंस के अवर महासचिव मेलिसा फ्लेमिंग ने ट्वीट किया, भारत में हिंदी भाषी दर्शकों के लिए संयुक्त राष्ट्र समाचार और कहानियां लाने के लिए हमारी हिन्दी सेवा में उनके उदार निवेश के लिए हम आभारी हैं। भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज, जिन्होंने पिछले शुक्रवार को उन्हें चेक दिया था, ने एक बयान में कहा कि नई दिल्ली संयुक्त राष्ट्र में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देना जारी रखेगी। उन्होंने कहा, हिंदी भाषा में समाचार और मल्टीमीडिया सामग्री को मुख्यधारा में लाने और समेकित करने के संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों की भारत और उन देशों में सराहना की गई है जहां हिंदी भाषी आबादी रहती है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महासभा और सुरक्षा परिषद को संबोधित किया है, जहां एक साथ अनुवाद उपलब्ध है, लेकिन उन्होंने पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र परिसर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में अंग्रेजी में बात की थी। संयुक्त राष्ट्र में हिंदी की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा की गई थी, जो 1977 में विदेश मंत्री रहते हुए संयुक्त राष्ट्र में इस भाषा में बोलने वाले पहले भारतीय अधिकारी बने थे। संयुक्त राष्ट्र की शुरुआत 1945 में अंग्रेजी की तीन व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषाओं के साथ हुई थी। फ्रेंच और स्पैनिश ने अपने मृत पूर्ववर्ती, राष्ट्र संघ से, रूसी और चीनी के साथ, दो स्थायी सदस्यों की भाषाओं को आधिकारिक और कामकाजी भाषाओं के रूप में आगे बढ़ाया। इसने 1973 में अरबी को आधिकारिक भाषा के रूप में जोड़ा। संयुक्त राष्ट्र अपनी बैठकों में छह भाषाओं में दस्तावेजों की एक साथ व्याख्या और अनुवाद प्रदान करता है। देश अपनी भाषा से भाषणों के एक साथ अनुवाद की व्यवस्था कर सकते हैं जैसा कि भारत ने हिंदी या अपनी भाषा में किया है। संयुक्त राष्ट्र मीडिया संगठनों ने 2018 में स्वाहिली और पुर्तगाली के अलावा हिंदी में वेबसाइट और सोशल मीडिया पोस्ट चलाना शुरू किया। भारत ने 2003 में विदेश मंत्री की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति के गठन के साथ संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषाओं की सूची में भारत को शामिल करने के अपने प्रयास शुरू किए और 2007 में 8वें विश्व हिंदी सम्मेलन की सिफारिश पर इसने अपने प्रयासों को नवीनीकृत किया। हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में शामिल करने के लिए 193 सदस्यों के बहुमत से अनुमोदन प्राप्त करने के अलावा, भारत को नकदी संकट से जूझ रहे संयुक्त राष्ट्र के लिए व्याख्याओं और अनुवादों की अधिकांश लागत वहन करनी होगी।

अमेरिका में बच्चे ने 1 साल की बहन को मारी गोली, अस्पताल में तोड़ा दम

कैलिफोर्निया । अमेरिका के कैलिफोर्निया शहर में आए दिन गोलीबारी की घटना सामने आती रहती है। हालांकि ये वारदात किसी हमलावर द्वारा नहीं बल्कि एक तीन साल के बच्चे के द्वारा अंजाम दिया गया है। कैलिफोर्निया के शेरिफ डिपार्टमेंट ने घटना संबंधित एक विवरण जारी किया।जिसमें बताया गया कि हाल ही में शेरिफ विभाग को फॉलब्रुक में एस. स्टेजकोच लेन के 1100 ब्लॉक में एक आवास पर गोलीबारी के बारे में सूचना मिली। सूचना देने वाले ने बताया कि एक तीन साल के बच्चे ने गलती से अपनी एक साल की बहन को गोली मार दी। इसके बाद विभाग के अधिकारी घटना की पुष्टि के लिए मौके पर पहुंचे। मामले की तफ्तीश के दौरान पता चला कि 3 वर्षीय बच्चे के हाथ पिस्तौल लग गई थी। इस दौरान उसने खेल-खेल में गोली चला दी और उसके एक साल की बहन को जा लगी। इसके बाद उसे आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां बच्ची को मृत घोषित कर दिया गया। विभाग ने डिटेल में निजी सुरक्षा के चलते बच्ची का नाम उजागर नहीं किया। विभाग ने बच्ची की मौत पर सहानुभूति भी जाहिर किया और कहा कि शेरिफ के होमिसाइड जांचकर्ता मौत की परिस्थितियों को निर्धारित करने के लिए अधिक जानकारी इकट्ठा करने के लिए काम कर रहे हैं। कोई भी संदिग्ध नहीं है और समुदाय के लिए कोई खतरा नहीं है। मामले की जांच जारी है। साथ ही बताया कि सैन डिएगो काउंटी जिला अटॉर्नी कार्यालय को घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है और जांच के दौरान हमारे निष्कर्षों से अपडेट किया जाएगा। इसके अलावा बताया कि बच्ची की मौत का कारण और तरीका पता लगाने के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

कोरोना के जन्मदाता वुहान इंस्टीट्यूट पर चला यूएस का चाबुक

वॉशिंगटन । कोविड-19 का कारक सार्स-सीओवी-2 वायरस की उत्पत्ति के लिए कथित तौर जिम्मेदार माने जा रहे चीन के वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी की संघीय फंडिंग पर बाइडेन प्रशासन ने रोक लगा दी है। बताया जा रहा है कि लैब द्वारा सुरक्षा उपायों के बारे में दस्तावेज उपलब्ध कराने में नाकाम रहने के बाद अमेरिका ने यह कदम उठाया। ज्ञापन के अनुसार स्वास्थ्य और मानव सेवा (एचएचएस) विभाग ने वुहान संस्थान को निलंबन के बारे में सूचित किया और प्रयोगशाला को यह भी बताया कि वह इसे स्थायी रूप से बंद करना चाहता है। पिछले सितंबर में शुरू हुई समीक्षा के बाद एचएचएस ने पाया कि चीन के वुहान में स्थित यह सुविधा संघीय नियमों का अनुपालन नहीं करती है। एचएचएस के एक प्रवक्ता ने एक ईमेल बयान में कहा कि यह कार्रवाई गारंटी देती है कि संस्थान को कोई और संघीय फंडिंग नहीं मिलेगी। लैब को जुलाई 2020 से राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान से पैसा नहीं मिला है। कोविड-19 की उत्पत्ति की चल रही जांच के बीच जैव सुरक्षा प्रथाओं पर दस्तावेज़ साझा करने में नाकाम रहने पर अमेरिका द्वारा लैब को दंडित करना अब तक की सबसे कठोर कार्रवाई है। संस्थान इस बात पर चर्चा का केंद्र बन गया है कि कोविड महामारी, जिसने लगभग 70 लाख लोगों की जान ले ली है, कैसे शुरू हुई. एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे सहित कुछ लोगों को संदेह है कि इसकी उत्पत्ति वुहान लैब में हुई होगी।

जेलेंस्की को काला सागर अनाज समझौता जारी रखने की उम्मीद

कीव अनाज समझौता जारी रखने की उम्मीद है। जेलेंस्की के प्रवक्ता सर्गेई न्यकीफोरोव ने इसकी जानकारी दी। रूस इस समझौते से बाहर हो चुका है। जेलेंस्की के हवाले से बताया गया, रूस के बिना भी हम कर सकते हैं, ताकि हम इस काला सागर गलियारे का उपयोग कर सकें। रिपोर्ट्स के मुताबिक जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने विदेश मंत्रालय को समझौते को जारी रखने के संबंध में संयुक्त राष्ट्र और तुर्की के लिए आधिकारिक संकेत तैयार करने का आदेश दिया। जेलेंस्की ने कहा कि अगर यूक्रेन और तुर्की जहाजों को गुजरने की अनुमति देते हैं, तब जिन कंपनियों के पास जहाज हैं वे अनाज की आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार हैं। पिछले साल जुलाई में, यूक्रेन और रूस ने अलग से इस्तांबुल में तुर्की और संयुक्त राष्ट्र के साथ काला सागर के माध्यम से यूक्रेनी बंदरगाहों से अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक खाद्य शिपमेंट को फिर से शुरू करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था।

यूनान में पुरनारी गांव के करीब जंगलों में लगी आग से उठता हुआ धूआं।

एक साक्षात्कार में ट्रंप ने बाइडन को बेवकूफ इंसान बताया

वॉशिंगटन । अपने दावों और कई बड़े झूठ बोलने के लिए मशहूर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर सुर्खियों में हैं। एक अमेरिकी न्यूज चैनल पर दिए साक्षात्कार में उन्होंने मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन को बेवकूफ इंसान बताया है। ट्रंप ने साक्षात्कार में यह भी कहा कि राष्ट्रपति पद के प्रति सम्मान के कारण मैं कभी भी बाइडन के पीछे नहीं गया जैसा कि मैं कर सकता था। डोनाल्ड ट्रंप 2024 के राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए दावेदार बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि बाइडन बहुत बेईमान, चोर और एक नीच व्यक्ति है। मेरा मतलब है, वह एक मूर्ख व्यक्ति है। अब मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी पर ऐसा आरोप लगाया है, जिसके बारे में किसी ने नहीं सोचा था कि यह संभव भी है। ट्रंप ने अपने ऊपर लगे आरोपों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि वह मुझ पर अप्रमाणित हमले कर रहे हैं। बता दें कि रिपब्लिकन पार्टी ने 5 साल से चल रही ट्रंप के आरोपों की जांच की कड़ी आलोचना करते हुए कहा था कि कांग्रेस पार्टी रिपब्लिकन राष्ट्रपति और उनके परिवार के खिलाफ निराधार, अप्रमाणित, राजनीति से प्रेरित हमले कर रही है। यह उनके हितों के अलावा कुछ भी नहीं। वे लोगों का ध्यान आकर्षित करने और अपने स्वयं के अलोकप्रिय विचारों और उन मुद्दों के समाधान की कमी से ध्यान भटकाने की कोशिश करने के लिए दक्षिणपंथी मीडिया में अपने सहयोगियों का सहारा ले रही है। गौरतलब है कि ट्रंप के व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद कुछ गोपनीय दस्तावेजों की तलाश के लिए फ्लोरिडा में उनके आवास मार-ए-लागो में तलाशी ली गई थी। एफबीआई ने मार-ए-लागो में सर्च वारंट के साथ प्रवेश किया और करीब 11,000 गोपनीय कागजात बरामद किए।

काला सागर अनाज पहल को जारी रखने में संरा के प्रयासों का समर्थन करता है भारत: कम्बोज

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। भारत ने काला सागर अनाज पहल जारी रखने में संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों के प्रति समर्थन व्यक्त किया है और मौजूदा गतिरोध का शीघ्र समाधान होने की उम्मीद जताई है। इससे एक दिन पहले ही रूस ने घोषणा की थी कि वह युद्ध के दौरान यूक्रेनी बंदरगाह से खाद्यान्न एवं उर्वरकों के निर्यात की अनुमति देने संबंधी समझौते का क्रियान्वयन रोक रहा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कम्बोज ने 'यूक्रेन के अस्थायी कब्जे वाले क्षेत्रों में स्थिति' पर महासभा की वार्षिक बहस में कहा कि भारत क्षेत्र में हालिया घटनाक्रम को लेकर चिंतित है, जो शांति एवं स्थिरता के बड़े मकसद को हासिल करने में मददगार साबित नहीं हुआ है।

कम्बोज ने कहा, ''भारत ने काला सागर अनाज पहल को जारी रखने में संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रयासों का समर्थन किया है और वह वर्तमान गतिरोध के शीघ्र समाधान की उम्मीद करता है।'' उन्होंने कहा, ''भारत यूक्रेन में हालात को लेकर चिंतित है। इस संघर्ष के कारण कई लोगों की जान गई है और कई लोगों, विशेषकर महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को कष्ट झेलने पड़ रहे हैं। लाखों लोग बेघर हो गए हैं और वे पड़ोसी देशों में शरण लेने को मजबूर हैं।'' कंबोज ने कहा कि यूक्रेन में संघर्ष को लेकर भारत का दृष्टिकोण जन-केंद्रित बना रहेगा। उन्होंने कहा, ''हम यूक्रेन को मानवीय सहायता प्रदान कर रहे हैं और दक्षिण में हमारे कुछ पड़ोसियों को ऐसे समय में आर्थिक मदद दे रहे हैं, जब वे आर्थिक संकटों के बीच भोजन, ईंधन और उर्वरकों की बढ़ती लागत की समस्या से जूझ रहे है, जो इस संघर्ष का परिणाम है।''

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने काला सागर पहल का क्रियान्वयन रोकने के रूस के फैसले पर गहरा दुख जताया और कहा कि इस पहल ने यूक्रेनी बंदरगाहों से तीन करोड़ 20 लाख टन से अधिक खाद्य वस्तुओं की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की। गुतारेस ने कहा कि काला सागर पहल और रूसी खाद्य उत्पादों एवं उर्वरकों के निर्यात को संभव बनाने संबंधी समझौता ज्ञापन वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए एक ''जीवनरेखा'' और परेशान दुनिया के लिए आशा की किरण रहा है।

कम्बोज ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यूक्रेन में युद्ध का असर पूरे 'ग्लोबल साउथ' पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, ''इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि 'ग्लोबल साउथ' की आवाज सुनी जाए और उनकी वैध चिंताओं का उचित समाधान किया जाए।'' 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। कम्बोज ने कहा कि नागरिकों और असैन्य बुनियादी ढांचे पर हमलों की खबरें बेहद चिंताजनक हैं। भारतीय राजदूत ने इस बात को रेखांकित किया कि मतभेदों और विवादों से निपटने का एकमात्र तरीका वार्ता है।

ब्रह्मपुत्र नदी पर सबसे बड़ा बांध बना रहा चीन, फिर बढ़ेगी भारत से टेंशन

बीजिंग (एजेंसी)। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर फिर भारत और चीन के बीच टकराव बढ़ने की आशंका है। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन तिब्बत में एलएसी के पास यारलुंग-त्संगपो नदी की निचली धारा पर एक सुपर बांध बनाने की अपनी योजना को आगे बढ़ा रहा है। इस नदी को भारत में ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है, और यह सबसे बड़ी नदी है। चीन की राजनीति के बारे में अच्छी समझ रखने वाले ब्रह्मा चेलानी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने एक आर्टिकल लिखा है जिसके मुताबिक चीन दुनिया के सबसे बड़े बांध का निर्माण गुप्त रूप से नहीं कर सकता। इस आर्टिकल पर अगर यकीन करें तब यह बांध 60 गीगावॉट की क्षमता वाला होगा। यह बांध चीन के मेगा प्रोजेक्ट का हिस्सा होगा। भारत से सटी सीमा पर उसका यह बांध आकार और क्षमता दोनों में उसके अपने ही एक और डैम थ्री गॉर्जेस से भी कहीं गुना ज्यादा बड़ा होगा। थ्री गॉर्जेस वर्तमान में दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना है। चीन के बांध-निर्माण की खबरें अक्सर मीडिया में आती रहती हैं। मगर चीन कभी भी इन परियोजनाओं के पैमाने और भौगोलिक सीमा को स्पष्ट नहीं करता है। इसकारण इन पर हमेशा रहस्य बना रहता है। माना जा रहा है कि ब्रह्मपुत्र के उस बिंदु पर बिजली पैदा करने की योजना बना रहा है, जहां ये यह नदी भारत में दाखिल होती है। नवंबर 2020 में बांध की खबरें फिर से सामने आईं थी। उस समय चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने इस बारे में जानकारी दी थी। कैलाश पर्वत के पास एंगसी ग्लेशियर से निकलती और पूर्व में हिमालय से घिरी ब्रह्मपुत्र नदी 3,969 किलोमीटर लंबी है। भारत की सीमा के बाहर इस चीन में यारलुंग-त्संगपो के नाम से बुलाते हैं। यह नदी यह अलग-अलग क्षेत्रों से होकर बहती है। तिब्बत से निकलती हुई यह भारत से गुजरती है और अंत में बांग्लादेश में खत्म होती है। 1,100 किलोमीटर पूर्व की ओर बहने के बाद यह कई सहायक नदियों से मिलती है। इसके बाद यह अचानक उत्तर-पूर्व की ओर मुड़ जाती है। फिर हिमालय के पूर्वी छोर पर पर्वतीय श्रृंखलाओं के बीच संकरी घाटियों से रास्ता बनाती हुई चीन को पार करते हुए दक्षिण की ओर मुड़ जाती है। यह हिस्सा एलएसी के तहत आता है और भारत से निकलते ही दोनों ओर 5,000 मीटर या उससे ज्यादा गहरी खाई में गिरती है। यह दुनिया की नौवीं सबसे बड़ी नदी है।

युद्ध से परेशान रूसी सैनिक अपने ही साथियों को बना रहे निशाना

-लंबे युद्ध से बौखला गए सैनिक, दो सैनिक की बातचीत से हुआ खुलासा

कीव (एजेंसी)। । युद्ध से परेशान रूसी सैनिक अब अपने ही साथियों पर फायरिंग कर रहे हैं, यह खुलासा यूक्रेन ने दो रूसी सैनिकों की फोन कॉल को इंटरसेप्ट करने के बाद किया है। हालांकि गोली चलने के बाद सैनिक की मौत की जानकारी नहीं है। गौरतलब है कि यूक्रेन-रूस के बीच छिड़ी जंग को करीब डेढ़ साल का वक्त हो चुका है। लेकिन अभी दोनों देशों के बीच कोई संधि या समझौता होता नजर नहीं आ रहा है। यूक्रेन और रूस की तरफ से एक दूसरे पर हमलों की बौछार जरूर तेज कर दी गई है। दोनों देशों में से कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। इसके चलते माना जा रहा है कि अभी युद्ध और लंबा खींच सकता है। ऐसे में यूक्रेन की ओर से रूस की सेना और उसके सैनिकों के कमजोर होते मनोबल को लेकर कई दावे लगातार किए जाते रहे हैं। ताजा मामला यूक्रेन में युद्ध लड़ रहे दो रूसी सैनिकों के बीच हुई फोन कॉल को इंटरसेप्ट करने के बाद सामने आए तथ्य हैं। इस के बाद यूक्रेन का दावा है कि एक रूसी सैनिक ने अपने साथियों पर ही गोलीबारी कर दी। हालांकि यह जरूर कहते सुना कि शूटर मारा गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेनी सैन्य खुफिया एजेंसी ने ऑडियो का हवाला देते हुए दावा किया है कि किसी बात को लेकर एक सैनिक ने अपने साथियों पर गोली दाग दी। यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी का दावा है कि ऑडियो में दो सैनिकों को आपस में फोन कॉल कर बातचीत करते और एक अन्य सैनिक द्वारा अपने साथियों पर गोली चलाये जाने की घटना की चर्चा करते हुए सुना गया। यूक्रेन के मुख्य खुफिया निदेशालय (जीयूआर) ने कहा कि यह कॉल रूसी सैनिकों की गंभीर मनोवैज्ञानिक स्थिति को प्रकट करती है। ऑडियो में, एक सैनिक ने बताया कि उसकी ब्रिगेड के एक सैनिक ने अपनी पकड़ को ढीला कर दिया और और यूनिट के अन्य सदस्यों पर गोली चलाना शुरू कर दिया। इस बात का खुलासा नहीं हुआ कि घटना के दौरान सैनिक मारे गए या घायल हुए। लेकिन इतना कहते हुए जरूर सुना गया कि शूटर मारा गया।

गिरफ्तारी से डर गए पुतिन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में नहीं होंगे शामिल

मॉस्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले महीने दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। राष्ट्रपति ने बुधवार को महीनों की अटकलों को समाप्त करते हुए ये जानकारी दी है। पुतिन की संभावित यात्रा दक्षिण अफ्रीका के लिए एक जटिल कूटनीतिक मुद्दा रही है। रूसी नेता एक अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के गिरफ्तारी वारंट का लक्ष्य हैं - एक प्रावधान जिसे प्रिटोरिया को आईसीसी सदस्य के रूप में लागू करने की उम्मीद होगी यदि वह देश में कदम रखेंगे।

राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के प्रवक्ता विंसेंट मैग्वेन्या ने एक बयान में कहा कि आपसी सहमति से, रूसी संघ के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे, लेकिन रूसी संघ का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव करेंगे। यह निर्णय हाल के महीनों में रामफोसा द्वारा आयोजित कई परामर्शों के बाद लिया गया है। कोरोना महामारी के बाद व्यक्तिगत रूप से आयोजित होने वाला ये पहला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन होगा। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामफोसा ने विश्वास जताया है कि ये समिट सफल होगी। उन्होंने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आने वाले प्रतिनिधियों को वो आवश्यक आतिथ्य प्रदान करने का आह्वान करते हैं।

ब्रिक्स एक संक्षिप्त नाम है जो 2001 में ब्रिक के रूप में शुरू हुआ, जिसे जिम ओ%नील (एक गोल्डमैन सैक्स अर्थशास्त्री) ने ब्राजील, चीन, भारत और रूस के लिए गढ़ा था। बाद में 2010 में दक्षिण अफ्रीका को ब्रिक्स में शामिल कर लिया गया। गोल्डमैन सैक्स ने दावा किया कि 2050 तक वैश्विक अर्थव्यवस्था पर चार उभरती अर्थव्यवस्थाओं का प्रभुत्व हो जाएगा।

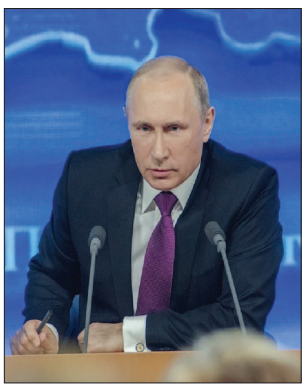

ब्रिटेन के नए पासपोर्ट में अब हिज मेसस्टी की उपाधि होगी, बड़े बदलाव पर एक नजर

इंटरनेशनल डेस्क : किंग चार्ल्स III के नाम पर जारी किए गए 'महामहिम' शीर्षक वाले पहले ब्रिटिश पासपोर्ट इस सप्ताह से शुरू हो जाएंगे। 70 से अधिक वर्षों तक महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के शासनकाल के दौरान आधिकारिक यात्रा दस्तावेज़ महामहिम के नाम पर दिए गए थे। 1952 के बाद पहली बार - अंतिम पुरुष सम्राट, चार्ल्स के दादा किंग जॉर्ज VI के शासनकाल की समाप्ति पासपोर्ट महामहिम शीर्षक के तहत जारी किए गए हैं। गृह सचिव सुएला ब्रेवरमैन ने इसे इतिहास में एक नया युग बताते हुए कहा कि 70 वर्षों से, महामहिम ब्रिटिश पासपोर्ट पर दिखाई देती रही हैं और हममें से कई लोगों को ऐसा समय याद नहीं होगा जब वह इसमें शामिल न हुई हों। आज ब्रिटेन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि 1952 के बाद से पहले ब्रिटिश पासपोर्ट पर महामहिम, राजा की उपाधि अंकित होनी शुरू हुई है। विदेश यात्रा के दौरान राजा के पास पासपोर्ट नहीं होता है या उसे इसकी आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि ब्रिटिश पासपोर्ट राजा के नाम पर जारी किए जाते हैं। पहले पृष्ठ में रॉयल आर्म्स का एक प्रतिनिधित्व है। महामहिम के राज्य सचिव महामहिम के नाम पर उन सभी से अनुरोध करते हैं और चाहते हैं कि वे धारक को बिना किसी रोक-टोक के स्वतंत्र रूप से गुजरने की अनुमति, और वहन करें वाहक को ऐसी सहायता और सुरक्षा जो आवश्यक हो। हालांकि दिवंगत महारानी के नाम पर जारी ब्रिटिश पासपोर्ट वैध यात्रा दस्तावेज़ बने रहेंगे।

आईएफएम ने पाकिस्तान को चेताया, भयानक खतरे से बचकर रहना होगा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। आईएफएम ने कर्ज के बोझ से दब रहे पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि आने वाले समय में उस पर भयानक खतरा मंडराने वाला है। इस लिए सहमति से बनी नीतियों पर चलना होगा। पाकिस्तान इस समय भयानक आर्थिक संकट से गुजर रहा है और अब अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने चेतावनी दी है कि यह कंगाल देश अत्यधिक खतरे का सामना कर रहा है। आईएमएफ ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि 3 अरब डॉलर के ताजा लोन के अलावा पाकिस्तान को आने वाले चुनाव के बाद एक और पैकेज की जरूरत होगी। इस बीच अब खुलासा हुआ है कि आईएमएफ से कर्ज के लिए 6 महीने तक हाथ पैर जोड़ने वाली शहबाज शरीफ सरकार को वैश्विक एजेंसी बहुत ही कड़ी शर्तों पर कर्ज दिया है। अपनी 120 पन्ने की रिपोर्ट में आईएमएफ ने कहा कि लंबे समय तक के लिए भुगतान का संतुलन बना रहे, इसके लिए पाकिस्तान को वर्तमान लोन के अलावा और ज्यादा पैसे की जरूरत होगी।

जानकारी के अनुसार इस रिपोर्ट को पाकिस्तान के वित्त मंत्री और स्टेट बैंक के गवर्नर के साथ हुए समझौते के आधार पर जारी किया गया है। वहीं आईएमएफ ने कहा कि भविष्य में दिया जाने वाला दूसरा पैकेज पाकिस्तान में स्थिरता लाएगा। आईएमएफ ने अपने आकलन में कहा कि पाकिस्तान में आर्थिक चुनौतियां बहुत जटिल हैं और बहुआयामी हैं। पाकिस्तान को लेकर खतरा बहुत ही ज्यादा है। उसने कहा कि इसका हल करने के लिए यह जरूरी है कि जिन नीतियों पर सहमति बनी है, उस पर तेजी से क्रियान्वयन किया जाए। इसके अलावा विदेशी भागीदारों की ओर से लगातार वित्तीय मदद की जरूरत होगी। एजेंसी ने कहा कि आईएमएफ प्रोग्राम का निर्णायक और सतत क्रियान्वयन खतरे को कम करने के लिए जरूरी होगा। हालांकि आईएमएफ के साथ हुए समझौते के तहत शहबाज सरकार ने बिजली के दाम को 5 रुपये प्रति यूनिट बढ़ा दिया है।

इसी तरह से पाकिस्तान में रेकार्ड महंगाई के बाद भी गैस के दाम में भी 40 पैसे की बढ़ोत्तरी की गई है। पाकिस्तान में अब टैक्स की दर को भी बढ़ाने की तैयारी है। फिलहाल पाकिस्तान पर 100 अरब डॉलर से ज्यादा का कर्ज है जिसमें से 30 अरब डॉलर केवल चीन का है। पाकिस्तान को इस वित्तीय वर्ष में 25 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज लौटाना है। पाकिस्तान का विदेशी मुद्राभंडार आईएमएफ, चीन, सऊदी अरब के कर्ज के बाद बढ़ा है लेकिन अभी भी यह बहुत ही खराब स्थिति में है।

संपादकीय

गुणवत्ता की दवा

देश में दवाओं की गुणवत्ता के मानक निर्धारण और उनके नकारात्मक प्रभावों पर कारगर नियंत्रण करने की मांग बहुत पुरानी है। जिस देश में एक बड़ी आबादी झोला छाप डॉक्टरों व मेडिकल स्टोर से दवा लेकर इलाज करती हो, वहां दवाओं का मानकीकरण बेहद जरूरी हो जाता है। हाल के दिनों में अफ्रीका और मध्य एशिया के देशों में कफ सीरप से होने वाली कथित मौतों के बाद दवाओं के मानकीकरण की बहस तेज हुई। विश्व स्वास्थ्य संगठन की टिप्पणियों से भी भारतीय दवा उद्योग की विश्वसनीयता पर आंच आई। निस्संदेह इस प्रकरण से भारत की प्रतिष्ठा भी प्रभावित हुई है। लगता है इसके बाद केंद्र सरकार भी हरकत में आई और सुरक्षित दवाओं का उत्पादन सुनिश्चित करने के लिये पहल हुई। बहुत संभव है इसी घटनाक्रम के बाद उच्च मानकों वाली सुरक्षित औषधियों का उत्पादन सुनिश्चित करने की दिशा में कदम बढ़ाया गया हो। संसद के मानसून सत्र में सुरक्षित दवाओं का उत्पादन सुनिश्चित करने वाला एक विधेयक लाना प्रस्तावित है। जिसके जरिये सुनिश्चित किया जा सकेगा कि घटिया दवाओं द्वारा देश -विदेश पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों पर अंकुश लगे। निस्संदेह, इसके मूल में भारत तथा दुनिया के कई देशों में लोगों पर पड़े नकारात्मक प्रभावों के सबक हैं। इसी मकसद से ड्रग्स, मेडिकल डिवाइस और कॉस्मेटिक्स बिल, 2023 लाया जा रहा है। निस्संदेह, इस विधेयक को कानून का रूप देने से पहले इसके विभिन्न पहलुओं पर गंभीरता से मंथन करने की जरूरत होगी। जिससे इस उद्योग से जुड़ी खामियों को दूर किया जा सके। निस्संदेह,देश में भरोसेमंद फार्मास्युटिकल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की जरूरत है। जिसके लिये गुणवत्ता का शोध और नियमन भी जरूरी है। यह विधेयक दवाओं, चिकित्सा उपकरणों और सौंदर्य प्रसाधनों के निर्माण, बिक्री, आयात व निर्यात के उच्च मानकों को सुनिश्चित करेगा। जो औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम-1940 को निरस्त करेगा और नई जरूरतों के हिसाब से कानून को उपयोगी बनाएगा। दरअसल, दवाओं की गुणवत्ता के निर्धारण के मार्ग में जहां दवा उद्योग की लॉबी और राजनीतिक घालमेल की बाधाएं हैं, वहीं हमारे नियामक तंत्र में व्याप्त विसंगतियां भी इसके मूल में हैं। ऐसे में कानून बनाते वक्त कई तरह की सावधानियां बरतने की जरूरत होगी। यह भी देखना होगा कि नये कानून से राज्यों के फार्मास्युटिकल उद्योग पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। आज भारत दुनिया में एक बड़े दवा उत्पादक देश के रूप में उभरा है। लेकिन दवाओं की गुणवत्ता का निर्धारण हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। यह देश की साख के लिये भी जरूरी है। आशंकाएं जतायी जाती रही हैं कि नये कानून से दवा निर्माण के लाइसेंस से जुड़ी राज्य दवा नियंत्रकों की शक्तियों में कटौती हो सकती है। यहां उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि औषधि मानक नियंत्रण संगठन को सशक्त बनाने के प्रयास पहले भी दो बार विफल हो चुके हैं। वर्ष 2007 और 2013 में औषधि और प्रसाधन सामग्री (संशोधन) विधेयक विसंगतियों के चलते अंतत- संसद द्वारा वापस ले लिये गये थे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में जब नया विधेयक बन रहा था तो पंजाब के फार्मा उद्योग ने लाइसेंसिंग और अन्य नियामक प्रक्रियाओं के प्रस्तावित केंद्रीयकरण पर आपत्ति व्यक्त की थी।

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

वैश्विक बाजारी शक्तियां सनातन भारतीय संस्कृति को प्रभावित करने का प्रयास कर रही हैं

(लेखक - प्रहलाद सबनानी)

सनातन भारतीय संस्कारों के अनुसार भारत में कुटुंब को एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में स्वीकार किया गया है एवं भारत में संयुक्त परिवार इसकी परिणती के रूप में दिखाई देते है। परंतु, पश्चिमी आर्थिक दर्शन में संयुक्त परिवार लगभग नहीं के बराबर ही दिखाई देते हैं एवं विकसित देशों में सामान्यतः बच्चों के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही, वे अपना अलग परिवार बसा लेते हैं तथा अपने माता पिता से अलग मकान लेकर रहने लगते हैं। इस चलन के पीछे संभवत आर्थिक पक्ष इस प्रकार जुड़ा हुआ है कि जितने अधिक परिवार होंगे उतने ही अधिक मकानों की आवश्यकता होगी, कारों की आवश्यकता होगी, टीवी की आवश्यकता होगी, फ्रिज की आवश्यकता होगी, आदि। लगभग समस्त उत्पादों की आवश्यकता इससे बढ़ेगी जो अंततः मांग में वृद्धि के रूप में दिखाई देगी एवं इससे इन वस्तुओं का उत्पादन बढ़ेगा। ज्यादा वस्तुएं बिकने से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लाभप्रदता में भी वृद्धि होगी। कुल मिलाकर इससे आर्थिक वृद्धि दर तेज होगी। विकसित देशों में इस प्रकार की मान्यताएं समाज में अब सामान्य हो चलीं हैं। अब बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में भी प्रयासरत हैं कि किस प्रकार भारत में संयुक्त परिवार की प्रणाली को तोड़ा जाय ताकि परिवारों की संख्या बढ़े एवं विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़े और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री बाजार में बढ़े। इसके लिए बहुराष्ट्रीय कम्पनियां इस प्रकार के विभिन्न सामाजिक सीरियलों को बनवाकर प्रायोजित करते हुए टीवी पर प्रसारित करवाती हैं जिनमे संयुक्त परिवार के नुक्सान बताए जाते हैं एवं छोटे छोटे परिवारों के फायदे दिखाए जाते हैं। सास बहू के बीच छोटी छोटी बातों को लेकर झगड़े दिखाए जाते हैं एवं जिनका अंत परिवार की टूट के रूप में बताया जाता है। भारत एक विशाल देश है एवं विश्व में सबसे बड़ा बाजार है, बहुराष्ट्रीय कम्पनियां यदि अपने इस कुचक्र में सफल हो जाती हैं तो उनकी सोच के अनुसार भारत में उत्पादों की मांग में बेतहाशा वृद्धि हो सकती है, इससे विशेष रूप से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को सीधे सीधे फायदा होगा। इसी कारण के चलते आज जोरज सोरोस जैसे कई विदेशी नागरिक अन्य कई विदेशी संस्थानों एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के साथ मिलकर भारतीय संस्कृति पर हमला करते हुए दिखाई दे रहे हैं एवं भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। आज यदि भारत विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बन जाता है, जिसके लिए लगातार प्रयास भारत में किए जा रहे हैं, तो इसका सबसे अधिक बुरा असर इन बहुराष्ट्रीय कम्पनियों पर होने वाला है। क्योंकि, इससे इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की मांग भारत में कम हो जाएगी और आज केवल भारत ही पूरे विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। यदि भारत में इन बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के उत्पादों की मांग कम हो जाती है तो ये कम्पनियां अपने उत्पादों को बेचेंगी कहां एवं कैसे अपनी लाभप्रदता में वृद्धि दर्ज करेंगी। इसलिए इन बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने भारत की महान संस्कृति पर अपने हमलों के तेज कर दिया है। विकसित देशों में आज सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो गया है। शादी शुदा जोड़ों के बीच तलाक की दर लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिससे छोटे छोटे बच्चे केवल अपने माता अथवा पिता के साथ रहने को मजबूर है। यदि माता अथवा पिता में से कोई एक पुनः विवाह कर लेता है तो उस बच्चे को सौतेले पिता अथवा सौतेली माता के साथ रहना होता है, जहां उसकी पर्याप्त देखभाल नहीं हो पाती है तथा उस बच्चे

का मानसिक विकास ठीक तरीके से नहीं हो पाता है। ये बच्चे अक्सर मानसिक तनाव के दौर से गुजरते हैं और इसका पूरा असर इन बच्चों की पढ़ाई पर भी पढ़ता है। आज अमेरिका में अमेरिकी मूल के नागरिकों के बच्चे विज्ञान एवं गणित जैसे विषयों में बहुत कम रुचि ले रहे हैं, इससे वहां के मूल नागरिकों के बच्चे न तो डॉक्टर बन पा रहे हैं और न ही इंजिनीयर। डॉक्टर एवं इंजिनीयर के साथ साथ प्रबंधन के क्षेत्र में भी एशियाई मूल के नागरिकों के बच्चे आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी प्रकार, विकसित देशों में विवाह पूर्व बच्चों का गर्भ धारण करना भी आम रिवाज होता जा रहा है तथा बगैर विवाह किये लिव इन रेलेशनशिप में साथ रहना भी आम बात हो गई है। लिव इन रिलेशनशिप के दौरान पैदा हुए बच्चों को न केवल कई प्रकार की कानूनी समस्याओं का सामना करना होता है बल्कि इन बच्चों की देखभाल भी ठीक तरीके से नहीं हो पाती है। विकसित देशों में बच्चों का सही लालन पालन नहीं होने के चलते इन बच्चों में हिंसा की प्रवृति पैदा हो रही है। इसी कारण से आज अमेरिका में प्रति नागरिक जेलों की संख्या अन्य देशों की तुलना में बहुत अधिक है, स्वाभाविक रूप से प्रति नागरिक कैदियों की संख्या भी तुलनात्मक रूप से बहुत अधिक है। सामाजिक तानाबाना के छिन्न भिन्न होने के चलते आज अमेरिका में सबसे अधिक खर्च सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर करना पड़ रहा है। वृद्ध नागरिक, चूंकि अपने बच्चों से अलग रहते हैं एवं वृद्धावस्था में उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है अतः इनकी देखभाल पर सरकार को भारी भरकम राशि खर्च करनी होती है। इसी प्रकार जेलों के रख रखाव एवं इनमें निवास कर रहे कैदियों पर भी भारी भरकम राशि खर्च करनी होती है। इस प्रकार के खर्च उत्पादकता के श्रेणी में नहीं होने के चलते व्यर्थ खर्च ही माने जाते हैं। इससे कुल मिलाकर विशेष रूप से अमेरिका आज गम्भीर वित्तीय संकट के दौर से गुजर रहा है। अमेरिका के इस अवस्था में पहुंचने के पीछे विशेष रूप से वहां का सामाजिक तानाबाना का छिन्न भिन्न होना ही माना जा रहा है। इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति में कुटुंब व्यवस्था को ईश्वर प्रदत उपहार माना गया है। संयुक्त परिवार में बच्चों के रहने के चलते उनकी बचपन में देखभाल ठीक तरह से होती है एवं भारत के बच्चों के हिंसा की प्रवृति लगभग नहीं के बराबर पाई जाती है। इन बच्चों का मानसिक विकास भी उच्च स्तर का हो जाता है। बुजुर्गों की देखभाल भी संयुक्त परिवार में बहुत अच्छी तरह से हो जाती है एवं सरकारों को किसी विशेष प्रकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर खर्च करने की आवश्यकता ही नहीं होती है। परंतु, पश्चिमी देशों द्वारा सनातन भारतीय संस्कृति पर प्रहार किए जा रहे हैं। इस प्रकार के प्रयासों से भारतीय नागरिकों को आज जागरूक करने की आवश्यकता है। पश्चिमी संस्कृति तो अपने आप में असफल सिद्ध होती दिखाई दे रही है। अब केवल सनातन भारतीय संस्कृति ही विकसित देशों में फैल रही अशांति को दूर करने में सक्षम दिखाई दे रही है। इस प्रकार, सनातन भारतीय संस्कृति को अपनाकर पूरे विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है।

(सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

राजस्थान में बदलेगा सत्ता बदलने का रिवाज

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

राजस्थान विधानसभा के चुनाव इसी साल के अंत में होने हैं। चुनावों में अब कुछ महीनों का ही समय रह गया है। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने अपनी-अपनी पार्टी की चुनावी तैयारियां प्रारंभ कर दी है। प्रदेश में सतारूढ़ होने के कारण कांग्रेस पार्टी को सत्ता विरोधी माहौल का भी सामना करना पड़ रहा है। राजस्थान में पिछले तीस वर्षों से परंपरा चली आ रही है कि एक बार कांग्रेस और दूसरी बार भाजपा की सरकार बनती है। ऐसे में मुख्य विपक्षी दल भाजपा को आशा है कि राज बदलने की परंपरा को कायम रखते हुए प्रदेश में उनकी सरकार बने। मगर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस रिवाज को बदलने का पूरा प्रयास कर रहे हैं।गहलोत चाहते हैं कि प्रदेश में फिर से कांग्रेस की सरकार बनाकर हर बार सरकार बदलने के रिवाज को समाप्त किया जाए। इसके लिए गहलोत लगातार लोगों से संपर्क साध रहे हैं। अशोक गहलोत के दोनों पैरों के अंगूठे में चोट लगने के कारण वह पिछले कई दिनों से अपने आवास से ही वर्चुअल माध्यम से लोगों से संपर्क कर विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण कर रहे हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में सचिन पायलट कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष थे तथा रामेश्वर डूडी नेता प्रतिपक्ष थे। उस समय कांग्रेस के पास मात्र 21 विधानसभा सीटें ही थी। तब वसुंधरा राजे भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री थी। भाजपा के पास 163 विधानसभा सीटें थी। लेकिन राज बदलने का रिवाज व वसुंधरा राजे के खिलाफ आम जनता में पनपी सत्ता विरोधी लहर के चलते कांग्रेस 100 सीटें जीतने में कामयाब रही थी। जबकि भाजपा मात्र 73 सीटों पर ही सिमट गई थी।

तब कांग्रेस आलाकमान ने अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री व सचिन पायलट को उपमुख्यमंत्री बनवाया था। मुख्यमंत्री बनने के बाद अशोक गहलोत ने बसपा के सभी 6 विधायकों का कांग्रेस में विलय करवा कर विधानसभा में कांग्रेस की स्थिति मजबूत बना दी थी। वर्तमान में गहलोत सरकार को माकपा के दो, भारतीय ट्राइबल पार्टी के दो, राष्ट्रीय लोक दल का एक व 13 निर्दलीय विधायकों का समर्थन प्राप्त है। वहीं भाजपा विधायको की संख्या 73 से घटकर 70 पर आ गई है।

हालांकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भी 2020 में अपने ही उपमुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट की बगावत का सामना करना पड़ा था। सरकार बचाने के लिए गहलोत ने महीनों तक विधायकों को बाड़ेबंदी में रखा था। कांग्रेस आलाकमान के हस्तक्षेप के बाद सचिन पायलट ने अपना विद्रोह समाप्त कर कांग्रेस की मुख्यधारा में शामिल हो गए थे। हाल ही में कांग्रेस आलाकमान ने दिल्ली में एक बड़ी बैठक कर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट को आगामी विधानसभा चुनाव में एकजुट होकर लड़ने का मंत्र दिया है। आलाकमान से हुई बैठक के बाद दोनों ही नेता एकजुटता से चुनाव लड़ने की बात कह रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पिछले एक साल से प्रदेश में फिर से कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए सक्रिय होकर काम कर रहे हैं। उन्होंने अपने पिछले बजट में प्रदेश के लोगों के लिए अनेकों कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की थी। जिनका क्रियान्वयन भी प्रारंभ हो गया है। पिछले तीन महीने तक राज्य सरकार ने गांव-गांव में महंगाई राहत कैंप लगाकर लोगों की समस्याओं का समाधान करवाया है। उन कैंपों के माध्यम से सरकार ने अपनी जन कल्याणकारी योजनाओं से भी आम आदमी को अवगत करवाया है। महंगाई राहत कैंपों के आयोजन से सरकार की छवि में काफी सुधार हुआ है। राज्य सरकार ने 60 साल से अधिक उम्र के वृद्धजन, विधवा महिलाओं, विकलांगों को मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि को भी बढ़ाकर न्यूनतम एक हजार प्रतिमाह कर दिया है। इसके साथ ही अनाथ बालिकाओं को पढ़ाई के लिये प्रतिमाह मिलने वाली राशि भी बढ़ाकर दोगुनी से अधिक कर दी गई है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश भर में करीबन 76 लाख उज्जवला गैस कनेक्शन धारकों को 500 रूपैये में गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाया जा रहा है। जो देश में अन्यत्र कहीं नहीं मिल रहा है। प्रदेश में घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को 100 यूनिट बिजली प्रतिमाह तथा कृषि उपभोक्ताओं को दो हजार यूनिट बिजली प्रतिमाह निशुल्क उपलब्ध करवायी जा रही है। राजस्थान की सीमा में यात्रा करने वाली महिलाओं को सभी श्रेणी की रोडवेज बसों में 50 प्रतिशत किराए में छूट दी जा रही है। स्कूलों व कॉलेजों में पढ़ने वाली छात्राओं, विधवा व एकल रहने वाली महिलाओं को शीघ्र ही सरकार की तरफ से मोबाइल हैंडसेट प्रदान किए जाएंगे। जिनमें तीन साल तक इंटरनेट का डाटा भी फ्री मिलेगा।इसके अलावा सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना के दायरे में फिर से शामिल किए जाने से आम लोगों के साथ ही कर्मचारी वर्ग में भी गहलोत सरकार के प्रति सकारात्मक माहौल नजर आ रहा है। 2004 से देशभर में पुरानी पेंशन योजना को बंद कर दिया गया था। उसके बाद से ही कर्मचारी वर्ग पुरानी पेंशन बहाली की मांग करते आ रहे थे। मगर किसी भी सरकार ने कर्मचारियों की मांगों पर ध्यान नहीं दिया था। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत देश भर में पहले नेता है जिन्होंने राजस्थान सरकार के कर्मचारियों को फिर से पुरानी पेंशन देने की शुरुआत की है।

संगठन की दृष्टि से भी राजस्थान में कांग्रेस कमेटी का नए सिरे से गठन कर दिया गया है। सभी जिला, नगर, ब्लाक व मंडल अध्यक्षों की नियुक्तियां हो चुकी है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी व सह प्रभारी लगातार जिलों का दौरा कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित कर रहे हैं। हाल ही में जयपुर में कांग्रेस के सभी जिला अध्यक्षों, ब्लॉक अध्यक्षों व प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की बैठक हो चुकी है। जिसमें सभी पदाधिकारियों को पूरी सक्रियता से क्षेत्र में काम करने के लिए कहा गया है। हालांकि पिछले वर्ष सितंबर में कांग्रेस आलाकमान द्वारा कांग्रेस विधायक दल की बैठक का आयोजन करवाने के लिए भेजे गए पर्यवेक्षकों प्रदेश प्रभारी महासचिव अजय माकन व मल्लिकार्जुन खरगे की उपस्थिति में विधायक दल की मीटिंग का बहिष्कार करवाने वाले कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल, महेश जोशी व पर्यटन निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ पर पार्टी आलाकमान ने कोई कार्यवाही नहीं की है। उल्टे शांति धारीवाल के पुत्र अमित धारीवाल को संगठन में प्रदेश महासचिव बना दिया गया है। इससे पार्टी कार्यकर्ताओं में गलत संदेश जा रहा है। पार्टी से जुड़े लोगों का मानना है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के दबाव में पार्टी आलाकमान पार्टी से बगावत करने वाले लोगों के खिलाफ कार्यवाही करने से कतरा रहा है। कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा चुनाव की जो तैयारियां की है उसको देखकर लगता है कि चुनाव की पूरी कमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हाथ में होगी तथा वही पार्टी का चेहरा भी होंगे। पार्टी आलाकमान के समझाने पर सचिन पायलट मुख्यमंत्री गहलोत के साथ काम करने को तो तैयार हो गए हैं। मगर गहलोत पायलट को अपने साथ कितना जोड़े रख पाते हैं इसका पता तो आने वाले समय में ही लगेगा। फिलहाल तो कांग्रेस अपनी योजनाओं के बल पर जीत के सुनहरे सपने देख रही है। वही पार्टी से जुड़े जमीनी स्तर के कार्यकर्ता आज भी नेताओं की बेरुखी के चलते नाराज नजर आ रहे हैं। राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा चुनाव जीतने के तो बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं। मगर पिछले पंजाब विधानसभा चुनाव में उनके उपमुख्यमंत्री रहते कांग्रेस पार्टी की जो दुर्गति हुई थी उसकी चर्चा वह कभी नहीं करते हैं। अपने बड़बोले बयानों से रंधावा चुनाव तक पार्टी नेताओं को कितना एकजुट रख पाते हैं। इसका पता तो चुनावी नतीजों के बाद ही चल पाएगा।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

कैसी एकजुटता : कोई नहीं बता रहा अपना पक्षः फिर भी एकजुट विपक्ष...?

(लेखक - ओम प्रकाश मेहता)

भारत की राजनीति धीरे-धीरे गरमाने लगी है, चुनाव जीतने निकट आ रहे हैं राजनीतिक तवा उतना ही अधिक गर्म होता जा रहा है, अर्थात यह तवा राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए एकदम तैयार है और प्रतिपक्ष दल भी एकजुट होकर इस पर अपनी अपनी रोटियां सेंकने के लिए बिल्कुल तैयार है। मुख्य प्रतिपक्षी दल कांग्रेस ने मोदी से निपटने में अपने आप को अक्षम पाया तो उसने अन्य मोदी विरोधियों को साथ लेकर अलग गुट बना लिया, जिसमें दो दर्जन मोदी विरोधी राजनीतिक दल शामिल हो गए, अब यह दो दर्जन दल अगले दो-तीन दिन में ही अपनी नीति घोषित कर देंगे, इसके लिए बेंगलुरु में इनकी बैठक हो रही है, अपनी इस बैठक में यह तीन मुद्दों पर फैसला लेंगे, पहला यह दल अपने गठबंधन का नया नामकरण करेंगे जो संभवतः पेट्रियोटिक डेमोक्रेटिक अलायंस हो सकता है,अन्य दो फैसले मोदी के खिलाफ नीति और सीटों के बंटवारे हो सकते हैं। हमारे देश में प्रतिपक्ष की एकजुटता का नाटक पहली बार नहीं खेला जा रहा है, इससे पहले भी नेहरू इंदिरा के जमाने में यह नाटक कई बार मंचित किया जा चुका है और यह भी तय है कि इस नाटक का प्रतिफल पहले भी कभी नहीं मिला और अब भी उम्मीद नहीं दिखाई देती, एक बार तो प्रतिपक्ष दलों ने मोरारजी भाई देसाई के नेतृत्व में सरकार भी बना ली, किंतु वह अल्पजीवी रही और फिर कांग्रेस सत्ता पर काबिज हो गई थी, अब भी मोदी का एकजुटता के साथ विरोध करने वालों का यही हश्र होना है, क्योंकि जिस उद्देश्य से यह नाटक मंचित किया जा रहा है, उसकी पूर्ति करीब 200 दिन बाद होना है और यह दल 200 दिन तो क्या 20 दिन भी एकजुट हो कर नहीं रह सकते, ऐसा आभास इसलिए भी हो रहा है क्योंकि फिलहाल विपक्षी एकजुटता में शामिल होने वाले किसी भी विपक्षी दल ने अपने प्रथक विचारों को तिलांजलि नहीं दी है। अब इनके पहले सम्मेलन के सुखद या दुखद परिणाम तो एक दो दिन बाद ही पता चलेंगे, किंतु सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी आश्वस्त है कि इस एकजुटता का उसकी सत्ता या सत्ता पुरुष पर कोई असर होने वाला नहीं है।शायद यह एकजुटता वाले दल फिलहाल इसलिए भी अधिक सक्रिय है इसलिए नहीं है क्योंकि यह आगामी दो-तीन महीनों में होने वाले चार राज्यों की विधानसभाओं के परिणामों की प्रतीक्षा कर रहे हैं, इनमें से दो राज्य फिलहाल कांग्रेस के खाते में हैं इनमें मध्यप्रदेश भी शामिल है, जिसमें पिछले 15 सालों से भाजपा की ही सरकार है और फिलहाल अभी से भाजपा अपनी चौथी पारी के लिए सक्रिय भी हो गई है, जबकि कांग्रेस में प्रियंका गांधी को छोड़ किसी को भी प्रदेशों के चुनाव की चिंता नहीं है। इस प्रकार यदि मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह कहा जाए कि आगामी चुनाव के महासमर के लिए मंच सजाए जाने लगे हैं तो कतई गलत नहीं होगा? अब यह राज्य विधानसभाओं के चुनाव लोकसभा के महासमर के लिए सेमीफाइनल सिद्ध होने वाले हैं, जिनके परिणाम महासमर के निर्णय का पूर्वाभास होगा इसलिए इन चुनाव वाले राज्यों में राजनीति ज्यादा गर्माने लगी है और पक्ष विपक्ष के सभी दल अपनी अपनी ढपली, अपना अपना राग अलापने लगे हैं, इसमें केंद्र व प्रादेशिक दोनों ही स्तरों की राजनीति शामिल है। फिलहाल विधानसभा चुनाव वाले राज्यों के राजनीतिक दलों की नजरें भी इनके गठबंधन के दलों के संयुक्त सम्मेलनों के फैसले पर है। क्योंकि 26 प्रति पक्षी दलों की बैठक बेंगलुरु में तथा 30 सत्तारूढ़ (राजग) दलों की संयुक्त बैठक दिल्ली में हो रही है, सम्मेलनों के इन्हीं महा सम्मेलनों के फैसले पर सभी राजनीतिक दलों व उनके धुरंधरों की नजर है, इन फैसलों के आधार पर ही केंद्र से लेकर राज्यों की चुनावी रणनीति तय होगी।

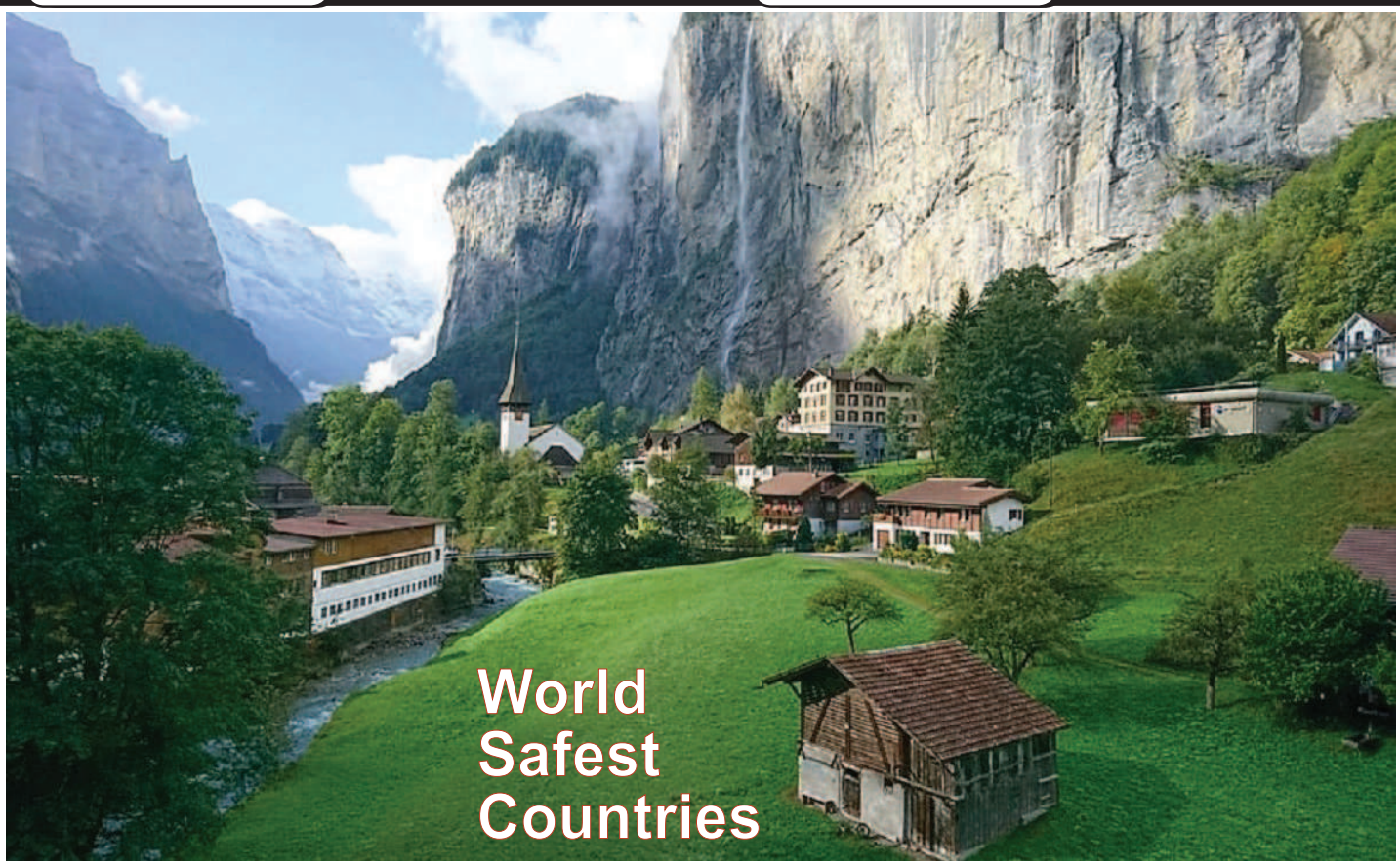

इन देशों में सुरक्षा की नहीं होगी चिंता, बेफिक्र होकर बनाएं घूमने का प्लान

कई लोग विदेश घूमने की इच्छा रखते हैं। विदेश घूमने के लिहाज से अधिकतर देश शानदार हैं। हालांकि विदेशों की खूबसूरती किसी भी टूरिस्ट के मन को आसानी से भा सकती है। लेकिन जब भी विदेश घूमने की बात आती है तो सबसे पहले हमारे दिमाग में यह आता है कि क्या वह जगह सुरक्षा के लिहाज से सही है। क्योंकि सेफ्टी हमारी फर्स्ट प्रायॉरिटी होती है। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको कुछ ऐसे देशों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आपको सुरक्षा की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। आइए जानते हैं कि वह कौन-कौन से देश हैं, जहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं।

आइसलैंड

आइसलैंड की आबादी 3,72,295 है। ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का सबसे सुरक्षित देश हैं। बता दें कि यहां पर क्राइम रेट काफी कम है। इसके साथ ही यह हाई-सिक्योरिटी वाला देश भी है। सभी तरह के अपराधों के प्रति यहां के नागरिकों का एक मजबूत सामाजिक दृष्टिकोण है। यह देश धार्मिक स्वतंत्रता देने के साथ ही महिलाओम और पुरुषों को समान अधिकार देता है। अगर आप भी विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आइसलैंड सुरक्षित देश है।

न्यूजीलैंड

आपको बता दें कि न्यूजीलैंड की जनसंख्या 5,124,100 के आसपास है। यह देश भी घूमने और रहने के लिहाज से सुरक्षित है। यहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं। न्यूजीलैंड का भी क्राइम रेट कम है। हालांकि साल 2019 में क्राइस्टचर्च की दो मस्जिदों पर हुए आतंकवादी हमले के कारण यहां का क्राइम स्कोर थोड़ा कम हो गया है। यह पर आप सुरक्षा का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि न्यूजीलैंड में शांति वाले इलाके में पुलिस अपने पास हथियार भी नहीं रखती है।

पुर्तगाल

साल 2014 के अनुसार, पुर्तगाल दुनिया का 18वां सबसे सुरक्षित देश है। ऐसे में आप बिना सुरक्षा की चिंता किए बगैर यहां पर घूम सकते हैं। 10,270,865 के करीब आबादी वाला यह देश विभिन्न कारणों से सबसे सुरक्षित देशों में शीर्ष 5वां स्थान अर्जित किया है। बता दें कि आर्थिक विकास के कारण इस देश की बेरोजगारी दर 17 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक कम हो गई है।

आस्ट्रिया

26,177,413 के करीब जनसंख्या वाला देश आस्ट्रिया भी सुरक्षित देशों की गिनती में आता है। यहां पर भी अपराध दर काफी कम है। लेकिन यहां पर घूमने आने वाले टूरिस्टों और यहां पर रहने वाले स्थानीय निवासियों को जेबकतरों और पर्स-स्नैचर्स आदि घटनाओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए अगर आप भी यहां पर घूमने आना चाहते हैं तो

आपको जेबकतरों से सावधान रहने की जरूरत होगी।

डेनमार्क

डेनमार्क 5,896,026 आबादी वाला देश है। बता दें कि ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का 5वां सबसे सुरक्षित देश है। इस देश में अच्छी शिक्षा, अच्छा रोजगार और कम भ्रष्टाचार होने के साथ ही कुशल सुरक्षाबन मिलेगा। इसके अलावा यहां की हेल्थ सुविधाएं भी काफी बेहतर हैं। इस देश में लोग आरामदायक तरीके से अपनी जीवन व्यतीत करते हैं।

कनाडा

कनाडा की कुल आबादी 37,742,154 के करीब है। आबादी के लिहाज से कनाडा काफी छोटा देश है। यहां का अधिकतर हिस्सा बंजर जंगल है और यह बंजर जंगल हजारों मीलों तक फैला हुआ है। लेकिन घूमने के लिहाज से यह काफी सुरक्षित देश है। इस देश का अपराध दर भी काफी कम है।

सिंगापुर

सिंगापुर 59,43,546 के करीब आबादी वाला है। सिंगापुर में छोटी-मोटी चोरी और अन्य अपराधों के खिलाफ कुछ सख्त कानून हैं। जिसके कारण इसकी गिनती दुनिया के सुरक्षित देशों में होती है। हालांकि सिंगापुर को शहर-राज्य के रूप में परिभाषित किया गया है। इसलिए ऐसा कहा जा सकता है कि यह दुनिया के दूसरे नंबर का सबसे सुरक्षित राज्य है।

जापान

जापान की जनसंख्या 125.93 मिलियन के आसपास है। सुरक्षा के लिहाज से यह सबसे सुरक्षित देश है। चीन और उत्तर कोरिया के करीब होने के बाद भी जापान एशियाई महाद्वीप का एक सुरक्षित और आर्थिक रूप से स्थिर देश है। वैश्विक शांति सूचकांक में जापान हमेशा हाई स्कोर हासिल करता है।

चेक गणराज्य

चेक गणराज्य की आबादी 10,512,397 के करीब है। यहां पर हर वर्ष अपराध दर घटता प्रतीत होता है। यूरोप के अन्य देशों की तुलना में चेक गणराज्य सुरक्षित देशों में से एक है। यहां पर आप सुरक्षा की परवाह किए बिना आराम से घूम-फिर सकते हैं।

स्विट्ज़रलैंड

स्विट्जरलैंड घूमने के लिए हर साल लाखों टूरिस्ट वहां पहुंचते हैं। बता दें कि यहां की आबादी 8.6 मिलियन के आसपास है। रहने और घूमने के लिहाज से यह देश सबसे ज्यादा बेस्ट है। फूड सिक्योरिटी के मामले में भी स्विट्जरलैंड दुनिया भर में चौथे स्थान पर है।

सिक्किम घूमने का बना रहे हैं प्लान तो... इन खूबसूरत जगहों को करें एक्सप्लोर, जन्नत में आने का होगा एहसास

देश की टॉप ट्रैवल डेस्टिनेशन्स में नॉर्थ ईस्ट के कई राज्यों का नाम गिना जाता है। नॉर्थ ईस्ट की ट्रिप प्लान करने वाले अधिकतर लोग सिक्किम घूमना नहीं भूलते हैं। वैसे तो सिक्किम्म में घूमने के लिए कई खूबसूरत जगहें हैं। ऐसे में अगर आप भी सिक्किम घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को एक्सप्लोर करना न भूलें। इन खूबसूरत जगहों पर घूमने के बाद आपका वापस आने का दिल नहीं करेगा। हिमालय की गोद में बसा सिक्किम भले ही एक छोटा सा राज्य है। लेकिन यहां की खूबसूरती वादियों से लेकर नेचर की खूबसूरती आपका मन मोह लेगी। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको सिक्किम की कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं उन जगहों के बारे में...

त्सोमगो झील की सैर

अगर आप सिक्किम में किसी रोमांटिक जगह पर घूमना चाहते हैं तो त्सोमगो लेक आपके लिए बेस्ट ऑप्शन होगा। त्सोमगो लेक सिक्किम की राजधानी गंगटोक से महज 40 किलोमीटर दूर है। यह लेक 12,400 फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। इस लेक को चांगु झील के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि सर्दियों में यह लेक पूरी तरह से जम जाती है। वहीं बसंत ऋतु के मौके पर इस लेक की सुंदरता कई खूबसूरत फूलों से खिल उठती है।

जुलुक का दीदार

जुलुक का दीदार करने के लिए सिक्किम की राजधानी गंगटोक से लगभग 3 घंटे का सफर तय करना होता है। इस दौरान रास्ते में 32 हेयरपिन मोड़ आपकी यात्रा को अधिक शानदार बना सकते हैं। वैसे तो जुलुक सिक्किम का एक छोटा सा और काफी खूबसूरत गांव है। लेकिन यहां से 11 फीट की ऊंचाई पर स्थित थुबी व्यू प्वाइंट कंचनजंघा चोटी अपने खूबसूरत नजारों के लिए फेमस है। जुलुक की ट्रिप के दौरान कपुप लेक या हाथी झील का भी दीदार कर सकते हैं।

पेलिंग की ट्रिप

गंगटोक से लगभग 140 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पेलिंग भी घूमने के लिए बेस्ट जगह है। यह जगह रोमांच के लिए फेमस है। पेलिंग का सफर एडवेंचर लवर्स के लिए बेस्ट हो सकता है। यहां पर एडवेंचर के शौकीन लोग रॉक क्लाइंबिग, ट्रेकिंग, कयाकिंग, माउंटेन बाइकिंग, रिवर राफ्टिंग जैसी कई एक्टिविटी कर सकते हैं। इसके अलावा सांगचोएलिंग मठ रिम्बी वॉटरफॉल स्काई वॉक और सेवारो रॉक गार्डन का दीदार कर अपने सफर को शानदार और रोमांचक बना सकते हैं।

रंवगला

रंवगला सिक्किम का खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह समुद्र तल से लगभग 8000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। हिमालय पर्वतों से घिरा रंवगला मैनम और तेंडोंग हिल्स टॉप पर मौजूद है। बता दें कि रंवगला गंगटोक से लगभग 63 किलोमीटर की दूर स्थित है। नेचर लवर्स के लिए रंवगला की सैर बेस्ट हो सकती है। यहां से आप ग्रेटर हिमालय के मनमोहक नजारों को बेहद नजदीक से देख सकते हैं।

इन टिप्स को फॉलो कर हॉलिडे को बनाएं शानदार, ऐसे करें पैसों की बचत

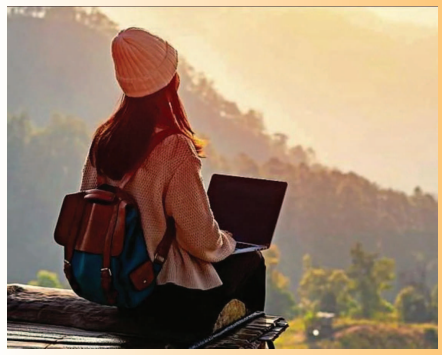

कई लोगों को घूमना काफी पसंद होता है। कई बार लगातार ट्रैवल करने के बाद भी छकान नहीं होती है। लेकिन घूमने के लिए पैसों की भी जरूरत होती है। ऐसे में सेविंग्स का होना जरूरी होता है। घूमने के दौरान कई बार ज्यादा पैसा खर्चा हो जाता है। लेकिन अगर आप स्मार्ट तरीके से घूमने की प्लानिंग करें तो आप पैसों की बचत कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ट्रैवल के कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप ट्रैवल भी कर लेंगे और पैसों की सेविंग भी कर लेंगे।

हॉलिडे की योजना

अगर आप भी छुट्टी पर जाने की सोच रहे हैं। तो सबसे पहले यह डिसाइड करें की आप रिलैक्सिंग हॉलिडे के लिए समुद्र तट पर चाहते हैं या एडवेंचर्स करना चाहते हैं। जब आपको यह पता होता है कि आप घूमने के लिए कहां जाने वाले हैं तो वहां होने वाले खर्चे और यात्रा कार्यक्रम की योजना पहले से बना लें। इस दौरान आपके लिए रियलिस्टिक बजट बनाना आसान हो जाएगा।

रियलिस्टिक बजट

घूमने जाने की शुरूआत हॉलिडे रीयलिस्टिक बजट तय करने से शुरू होती है। आप कहीं भी घूमने जा रहे हों। कोई भी स्मार्ट ट्रैवलर यह बात काफी अच्छे से जानता है कि शानदार छुट्टियां बिताने के लिए एक रियलिस्टिक बजट की जरूरत होती है। जिसे आप आसानी से पहले ही बना सकते हैं।

ट्रैवल और खरीदारी

घूमने जाने के दौरान बुकिंग या खरीदारी पर कैशबैक कमा सकते हैं। इससे आपकी ट्रैवलिंग आसान हो जाती है। कई बार खरीददारी करने पर या बुकिंग करने के दौरान आपको कैशबैक मिलता है। इसलिए हमेशा इस ऑप्शन को ओपेन रखना चाहिए।

ऑफ सीजन में यात्रा

इस सीक्रेट को सभी स्मार्ट ट्रैवलर्स अपनाते हैं। अधिकतर ट्रैवल करने वाले ऑफ सीजन में यात्रा कर बड़ी बचत करते हैं। इस दौरान उनका ज्यादा खर्च नहीं होता है। क्योंकि वह ऑफ-पीक हॉलिडे सीजन में ट्रैवल करते हैं। ऑफ सीजन में ट्रैवल करने से फ्लाइट्स, होटल आदि सस्ते और आसानी से मिल जाते हैं।

फ्लाइट्स चुनते समय फ्लेक्सिबल

पर्यटकों की आवाजाही सप्ताह के कुछ दिनों में कम होती है। इस समय यात्रा करने पर आपको सस्ती उड़ान भरने का मौका मिल सकता है। फ्लाइट की कीमत के आधार पर आप अपनी छुट्टियों को प्लान कर सकते हैं। इससे भी आप अच्छी खासी सेविंग कर लेंगे।

हॉस्पिटैलिटी कंपनी

आपको बता दें कि अपने नियमित ग्राहकों के लिए कई प्रमुख होटल चेंस और एयरलाइंस बहुत कम या बिना किसी एडिशनल कॉस्ट के लॉयल्टी प्रोग्राम्स पेश करती हैं। इस दौरान आपको होटल चेंस और एयरलाइंस के जरिए स्पेशल ट्रीटमेंट मिलता है।

क्रेडिट/डेबिट कार्ड

क्रेडिट या डेबिट कार्ड रिवार्ड पॉइंट अर्जित कर सकते हैं। यह पॉइंट अर्जित करने का एक क्रिक और आसान तरीका है। जिसके बदले कई प्रमुख बैंक गिफ्ट्स और सर्विस के बदले में आपको रिवार्ड पॉइंट प्रदान करते हैं। जिन्हें किसी भी समय रिडीम किया जा सकता है।

सस्ता विकल्प खोजें

अगर आपके पास पर्याप्त समय है तो आप उन विकल्पों को पता करें। जिनमें यात्रा सस्ती होने के साथ ही आने-जाने से लेकर रहने तक हर चीज के लिए काफी सारे विकल्प होते हैं। इस दौरान हॉलिडे प्लान करने के दौरान शानदार अनुभवों के लिए फ्लाइट्स के स्थान पर ट्रेनों की खोज करें।

सरकारी बैंकों पर निजीकरण का खतराः एआईबीओसी

नई दिल्ली । सरकारी बैंकों पर निजीकरण खतरा मंडरा रहा है। यह बात ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कंफेडरेशन (एआईबीओसी) का, जो बैंक ऑफिसर्स की यूनियन है। यूनियन का मानना है कि सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकों ने समाज में आर्थिक भेदभाव को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है इसके बावजूद सरकारी बैंकों के निजीकरण किए जाने के खतरा बना हुआ है। बैंकों के 55वें राष्ट्रीयकरण दिवस के मौके पर ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कंफेडरेशन ने कहा कि सरकारी बैंकों ने 1969 में राष्ट्रीयकरण के बाद से ही वित्तीय समावेषण और सेविंग को आकर्षित करने में बड़ी अहम भूमिका अदा की है। एआईबीओसी के एक अे धिकारी ने कहा कि सरकारी बैंकों पर निजीकरण की तलवार लटक रही है। उन्होंने कहा कि ये विचारधारा की लड़ाई है जो ऐसे विचारधारा को समर्थन देकर ही दूर किया जा सकता है जो बड़ी जनसंख्या के हितों की परवाह करता हो। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीयकरण के बाद से ही सरकारी बैंकों कृषि, एमएसएमई, शिक्षा और आधारभूत ढांचे को फंड मुहैया कराते रहे हैं। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कंफेडरेशन ने कहा कि सरकारी बैंकों ने अपनी सर्विसेज के जरिए आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का काम किया है, साथ ही करोड़ों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने में उसकी भूमिका स्तंभ की रही है।

स्वच्छ ऊर्जा बाजार 2030 तक 23,000 अरब डॉलर होगाः ग्रैनहॉम

नई दिल्ली । अमेरिकी ऊर्जा मंत्री जेनिफर ग्रैनहॉम ने कहा कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा बदलाव यानी कोयला और अन्य परंपरागत ईंधनों से उत्पादित बिजली की जगह पवन तथा सौर ऊर्जा जैसी नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने का बाजार वर्ष 2030 तक 23,000 अरब डॉलर हो जाने का अनुमान है। अमेरिका-भारत रणनीतिक स्वच्छ ऊर्जा भागीदारी पर हाल ही में यहां आयोजित मंत्री-स्तरीय बैठक में ग्रैनहॉम ने कहा कि अमेरिका शत-प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों से उत्पन्न बिजली के उपयोग के अपने लक्ष्य को लेकर वर्ष 2035 तक अपने ग्रिड से 2,000 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि हमें व्यापक स्तर पर एक साथ काम करना होगा और ऐसा करने के लिए हमें भागीदारी करनी होगी। हमें उन लोगों से सीखना होगा जो इसे अच्छी तरह अंजाम दे रहे हैं और वास्तव में अच्छी तरह आगे बढ़ सकते हैं। भारत ने वर्ष 2070 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। साथ ही 2030 तक कुल ऊर्जा जरूरतों में 50 प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों से पूरा करने का लक्ष्य रखा है। बैठक में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि 2023 में भारत-अमेरिका ऊर्जा व्यापार 20 अरब डॉलर का होगा। अमेरिका आज हमारे ऊर्जा सहयोग में एक बहुत बड़ा भागीदार है। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में दोनों पक्षों ने स्वच्छ ऊर्जा भागीदारी के महत्व को स्वीकार किया और सतत ऊर्जा बदलाव के लिये मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई।

केन्द्र ने पीएमएवाय-यू के तहत 1.19 करोड़ घरों को मंजूरी दीः पुरी

नई दिल्ली । केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी (पीएमएवाई-शहरी) के तहत 1.19 करोड़ घरों को मंजूरी दी, जिनमें से 75 लाख घर लाभार्थियों को दिए जा चुके हैं। पुरी ने यहां कनेक्ट करो 2023 कार्यक्रम में कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के परिणामस्वरूप पूरे भारत में स्वच्छता के प्रति लोगों के व्यवहार में बदलाव आया है। केन्द्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री ने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण 2014 में 17 प्रतिशत से बढ़कर आज 76 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि लगभग 73.6 लाख व्यक्तिगत और सामुदायिक शौचालयों के निर्माण से शहर और कस्बे खुले में शौच से मुक्त हो गये हैं। पुरी ने शहरी परिवहन के बारे में बात करते हुए कहा कि भारत में 860 किलोमीटर परिचालन वाली मेट्रो लाइनें हैं और लगभग 917 किलोमीटर निर्माणाधीन हैं। एक बयान के मुताबिक पुरी ने कहा कि जल्द ही हम दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क वाला देश बनने जा रहे हैं।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती के दौर मे कई कदम उठाकर आगे निकला भारतः विश्व बैंक अध्यक्ष

नई दिल्लीः

विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने बुधवार को कहा कि भारत वैश्विक सुस्ती के दौर में कई ऐसे कदम उठा रहा है जो उसे आगे रखने में मदद कर रहे हैं। विश्व बैंक के शीर्ष पद पर पहुंचने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति बंगा ने कहा कि भारत कोविड महामारी के समय पैदा हुई चुनौतियों से मजबूत बनकर उभरा है लेकिन उसे यह रफ्तार आगे भी कायम रखने की जरूरत है। बंगा ने कहा, ''भारत वैश्विक स्तर पर कायम सुस्ती के बीच काफी कुछ ऐसा कर रहा है जो उसे आगे रखने में मदद कर रहे हैं। भारत के पक्ष में एक खास बात यह है कि इसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में बड़ा हिस्सा घरेलू स्तर का है। भारत महामारी के दौर की चुनौतियों से मजबूत बनकर उभरा है लेकिन उसे यह रफ्तार बनाए रखने की जरूरत है।'' बंगा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर सुस्ती होने के बावजूद अपने घरेलू खपत की वजह से सुरक्षित है। उच्च आय वाली नौकरियों में संभावित वृद्धि के बारे में पूछे जाने पर बंगा ने कहा, ''हमें यह समझना होगा कि ये नौकरियां कहां पर हैं। ये नौकरियां प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हैं और बहुत कम संख्या में हैं। फिर विनिर्माण क्षेत्र में ऐसी नौकरियां हैं। भारत के सामने फिलहाल यह मौका है कि वह 'चीन प्लस वन' रणनीति का फायदा उठाए।'' चीन प्लस वन रणनीति का मतलब है कि दुनिया के विकसित देशों की कंपनियां अब अपने विनिर्माण केंद्र के तौर पर चीन के साथ किसी अन्य देश को भी जोड़ना चाहती हैं। इसके लिए भारत भी एक संभावित दावेदार के तौर पर उभरकर सामने आया है।

बंगा ने कहा, ''भारत को यह भी ध्यान रखना होगा कि चीन प्लस वन रणनीति से मिलने वाला अवसर उसके लिए 10 वर्षों तक नहीं खुला रहेगा। यह तीन से लेकर पांच साल तक उपलब्ध रहने वाला अवसर है जिसमें आपूर्ति श्रृंखला को अन्य देश में ले जाने या चीन के साथ अन्य देश को जोड़ने की जरूरत है।''

स्टार्टअप कंपनियां विदेशों में आईटी सेवाओं के निर्यात पर विचार करेंः शर्मा

नई दिल्ली । डिजिटल भुगतान मंच पेटीएम के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने कहा कि स्टार्टअप कंपनियों की देश से विदेशों तक ले जाने की जिम्मेदारी बनती है। शर्मा ने एक कार्यक्रम में कहा कि परिपक्व हो चुकीं स्टार्टअप कंपनियों को अब विदेशों में अपनी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवाओं का निर्यात करने के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए। उन्होंने भारतीय स्टार्टअप कंपनियों की बढ़ती वैश्विक मौजूदगी के बारे में आशावादी नजरिया रखते हुए कहा कि मैं चाहता हूं कि किसी दिन अमेरिका और दूसरे देशों में किसी भारतीय कंपनी के खिलाफ प्रतिस्पर्द्धा-रोधी कानून लागू हो। मैं चाहता हूं कि मेरी जिंदगी में ऐसा वाकया हो और फिर हम उनके पास बातचीत के लिए जाएं। उन्होंने स्टार्टअप कंपनियों के लिए मूल्य सृजन, परंपरागत उद्योगों एवं स्टार्टअप के बीच के फासले और जनरेटिव टेक्नोलॉजी एवं एआई के अगले दौर के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि मेरी जिंदगी में कृत्रिम मेधा (एआई) सबसे बड़ी गुणक प्रौद्योगिकी लहर है। कंपनियों के परिचालन में एआई पर आधारित पेशकश सबसे आगे रहेंगी।

चालू वित्त वर्ष में 6.4 प्रतिशत पर रहेगी भारत की आर्थिक वृद्धि दरः एडीबी

नई दिल्ली । एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 6.4 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष के लिए 6.7 प्रतिशत पर बरकरार रखा और कहा कि मजबूत घरेलू मांग से क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को उबरने में मदद मिलेगी। एडीबी ने बताया कि ईंधन और खाद्य कीमतें घटने के कारण महंगाई दर में गिरावट जारी रहने की उम्मीद है, जो वैश्विक महामारी से पहले के स्तर के करीब पहुंच जाएगी। उसने एशिया की विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए महंगाई दर इस वर्ष 3.6 प्रतिशत और 2024 में 3.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने मार्च 2023 को समाप्त वित्त वर्ष 2022-23 में 7.2 प्रतिशत वृद्धि की। एडीबी के मुख्य अर्थशास्त्री अल्बर्ट पार्क ने कहा कि एशिया और प्रशांत क्षेत्र लगातार महामारी से उबर रहे हैं। एडीबी ने अप्रैल में अनुमान लगाया था कि सख्त मौद्रिक स्थितियों और तेल की ऊंची कीमतों के कारण चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.4 प्रतिशत रहेगी।

क्रिप्टो करेंसी के बनेंगे नए नियम? जी-20 की बैठक में उठा मुद्दा

- कई देशों ने आर्थिक सहयोग पर जताई सहमति

गांधीनगर ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यहां जी-20 बैठक में क्रिप्टो करेंसी के लिए एक व्यापक और समन्वित वैश्विक नीति तथा नियामकीय व्यवस्था बनाने को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि जी-20 के सदस्य देशों ने अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिये अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी। यह समूह दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का अंतर-सरकारी मंच है। सीतारमण गांधीनगर में जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नर (एफएमसीबीजी) की तीसरी बैठक समाप्त होने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में यह कहा कि कि बैठक में जी-20 के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नर ने लोगों और दुनिया की बेहतरी को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया. साथ ही अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग बढ़ाने, सभी के लिये वैश्विक विकास को मजबूत करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था की मजबूत, संतुलित तथा समावेशी वृद्धि को लेकर प्रतिबद्धता दोहराई। क्रिप्टो करेंसी के लिये एक व्यापक और समन्वित वैश्विक नीति तथा नियामकीय व्यवस्था बनाने को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने यह भी कहा कि जी-20 की अध्यक्षता कर रहे भारत ने समूह के समक्ष डिजिटल ढांचागत सुविधा के मुद्दे को रखा है।

वित्त मंत्री ने कहा कि भारत ने अपनी अध्यक्षता में डिजिटल ढांचागत सुविधा के एजेंडा को जी-20 की बैठक में उठाया। सदस्यों ने वित्तीय समावेश और उत्पादकता के लाभ को तेजी से आगे बढ़ाने में डिजिटल ढांचागत सुविधा की महत्वपूर्ण भूमिका का समर्थन किया। सीतारमण ने कहा कि कर्ज को लेकर बिगड़ती स्थिति पर भी जी-20 सदस्य देशों ने विचार-विमर्श किया. बैठक में खराब होती कर्ज स्थिति को प्रभावी ढंग से निपटने के लिये बहुपक्षीय समन्वय को मजबूत करने और ऋण समस्या से जूझ रहे देशों के लिये समन्वित उपाय किये जाने पर बातचीत हुई। कर्ज समाधान के लिये साझा व्यवस्था तैयार करने पर चीन की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि चीन का रुख उत्साहजनक था।

भारत के कपड़ा उद्योग को जापान में अपने उत्पाद बेचने का एक बड़ा अवसरः एईपीसी

नई दिल्ली ।

जापान को चीन के परिधान निर्यात में गिरावट भारतीय उद्योग के लिए एक बड़ा अवसर है। परिधान निर्यात संवर्द्धन परिषद (एईपीसी) ने बुधवार को यह बात कही। एईपीसी ने कहा कि अपनी अनूठी पेशकशों के साथ भारत के कपड़ा उद्योग के पास जापान की कंपनियों को अपने उत्पाद बेचने का यह एक बड़ा मौका है। परिषद के सदस्य तोक्या में इंडिया टेक्स ट्रेंड्स फेयर के 12वें संस्करण में भाग ले रहे हैं। इंडिया टेक्स ट्रेंड्स फेयर के उद्घाटन के अवसर पर एईपीसी के चेयरमैन नरेन गोयनका ने कहा कि मेले में 180 से अधिक भारतीय प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा` कि पिछले तीन साल में जापान में परिधान आयात में सकारात्मक वृद्धि देखी गई है। दुनिया से जापान का कुल आयात जो 2018 में 28.49 अरब डॉलर था, अब बढ़कर 46.72 अरब डॉलर हो गया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका, जर्मनी और फ्रांस के बाद जापान दुनिया में चौथा सबसे बड़ा परिधान आयातक है। जापान के 23 अरब डॉलर के कुल परिधान आयात में भारत का हिस्सा सिर्फ एक प्रतिशत है। उन्होंने कहा` कि हमारे पास जापान के साथ कारोबार का बड़ा अवसर है। चीन, जो जापान का एक प्रमुख परिधान आपूर्तिकर्ता रहा है, के परिधान निर्यात में पिछले पांच साल के दौरान गिरावट आई है। इससे भारत लाभ की स्थिति में है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारत-जापान मुक्त व्यापार करार (एफटीए) के बाद भारत के सिलेसिलाए परिधान के लिए वहां शुल्क मुक्त पहुंच उपलब्ध है। वहीं चीन और तुर्की को नौ प्रतिशत का शुल्क देना पड़ता है। ऐसे में निश्चित रूप से भारतीय निर्यातकों के लिए यह एक बड़ा अवसर है।

सोना 60 तो चांदी 70 हजार के पार

मुंबई ।

सोने और चांदी की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है। भारतीय सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 60 हजार के पार निकल गई। हालांकि बुधवार को बाजार खुलने के साथ ही ये 60 हजार पर कारोबार कर रही है। वहीं चांदी का भाव 76 हजार के पार चला गया है। बुधवार को सर्राफा बाजार खुलते ही इसकी कीमतों में कल शाम के मुकाबले थोड़ी नरमी का रुख देखने को मिला और सोना 60 रुपए टूटकर 60,000 रुपए प्रति दस ग्राम पर खुला, जो मंगलवार 60,060 रुपए प्रति 10 ग्राम तक चला गया। वहीं चांदी का भाव 20 रुपए की बढ़त के साथ 76,300 रुपए प्रति किलोग्राम चल रहा है। 22 कैरेट सोने के दाम भी बढ़कर 55,000 रुपए हो गए हैं जो बीते दिन 55 हजार के पार निकल गए थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का भाव 21 रुपए की गिरावट के बाद 59,742 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है, जो उच्चतर स्तर 59,813 रुपए प्रति दस ग्राम तो न्यूनतम 59,723 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर चुका है, जबकि चांदी का भाव 57 रुपए की बढ़ोतरी के साथ 76,160 पर कारोबार कर रहा है, जो इससे पहले 76,254 के उच्चतर स्तर और 76,106 रुपए प्रति किलोग्राम के न्यूनतम स्तर पर कारोबार कर चुका है।

जानसंन एंड जानसन के इस्तेमाल से हुआ कैंसर, कंपन देगी जुर्माना

- व्यक्ति को 18.8 मिलियन डॉलर का भुगतान करना होगा

वाशिंगटन ।

अमेरिका की फार्मा कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन भले ही कितनी सफाई देती रही लेकिन उस पर लगने वाले आरोपों की लाइन लंबी होती जा रही है। अब कंपनी को कैलिफ़ोर्निया के उस व्यक्ति को 18.8 मिलियन डॉलर का भुगतान करना होगा जिसने कहा था कि बेबी पाउडर के संपर्क में आने से उसे कैंसर हुआ है। एक जूरी ने यह फैसला सुनाया है। कुछ समय पहले जॉनसन एंड जॉनसन ने अपने सालों के मुकदमे से छुटकारा पाने के लिए 8.9 बिलियन डॉलर यानी कि 73 हजार करोड़ रुपए की भुगतान करने का फैसला लिया था। कंपनी चाहती है कि वर्षों से चली आ रही कानूनी लड़ाई खत्म हो जाए इसलिए वह भुगतान देने के लिए तैयार हैं। जूरी ने एमोरी हर्नांडेज़ वलाडेज़ के पक्ष में फैसला सुनाया, जिन्होंने पिछले साल जेएंडजे के खिलाफ ओकलैंड में कैलिफोर्निया राज्य की अदालत में मुकदमा दायर किया था। 24 वर्षीय हर्नानडेज का दावा है किबचपन से ही कंपनी के टैल्कम पाउडर का इस्तेमाल करने से उसकी छाती के पास मेसोथेलियोमा कैंसर हो गया है। जूरी ने पाया कि हर्नानडेज़ अपने मेडिकल बिलों, दर्द और पीड़ा के लिए क्षतिपूर्ति पाने का हकदार था। वहीं जेएंडजे के विश्वव्यापी मुकदमेबाजी उपाध्यक्ष एरिक हास का कहना है कि जॉनसन का बेबी पाउडर सुरक्षित है, इसमें एस्बेस्टस नहीं है और कैंसर का कारण नहीं है। गौरतलब है` कि इससे पहले हजारों महिलाएं कंपनी पर बच्चेदानी का कैंसर होने का आरोप लगा चुकी हैं। 2020 में कंपनी ने घोषणा की थी कि वो बेबी पाउडर को अमेरिका और कनाडा में बेचना बंद कर देगी। कंपनी का कहना था कि वहां कई केस दर्ज किए जाने के बाद ऐसी ग़लत जानकारियों के फैलने से कि ये पाउडर सुरक्षित नहीं है, इसकी मांग में कमी आ गई थी। अब सालों पुराने उन मुकदमों को खत्म करने के लिए कंपनी ने 890 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 73,086 करोड़ रुपए के समझौते की पेशकश की है।

देश का मनोरंजन और मीडिया उद्योग का राजस्व 2027 तक 73.6 अरब डॉलर होगा : रिपोर्ट

मुंबई ।

देश के मनोरंजन और मीडिया उद्योग का राजस्व वर्ष 2027 तक सालाना 9.7 फीसदी बढ़े कर 73.6 अरब डॉलर तक हो सकता है। पीडब्ल्यूसी की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। पीडब्ल्यूसी ने एक रिपोर्ट में कहा ` कि उपभोक्ताओं की बढ़ती प्राथमिकताएं, बढ़ी हुई इंटरनेट पहुंच और उभरती प्रौद्योगिकियां मनोरंजन और मीडिया (ईएंडएम) उद्योग को तेजी से नया आकार दे रही हैं। यह रिपोर्ट 13 क्षेत्रों के 53 खंडों में उपभोक्ताओं और विज्ञापनदाताओं द्वारा ईएंडएम खर्च का 24वां वार्षिक विश्लेषण और पूर्वानुमान है। इसमें कहा गया है कि उद्योग के लिए वर्ष 2022 एक महत्वपूर्ण मोड़ रहा। 2,320 अरब डॉलर के कुल वैश्विक ईएंडएम राजस्व में वर्ष 2021 में 10.6 प्रतिशत की वृद्धि के बाद 2022 में 5.4 प्रतिशत की तेज गिरावट देखी गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक मंदी विज्ञापन में और भी अधिक स्पष्ट हुई, क्योंकि इंटरनेट विज्ञापन खंड में 2022 में सुस्त वृद्धि देखी गई। हालांकि, भारत में तस्वीर अधिक आशाजनक है। देश में ईएंडएम राजस्व वर्ष 2021 की तुलना में वर्ष 2022 में 15.9 प्रतिशत बढ़कर 4,620.7 करोड़ डॉलर हो गया। पीडब्ल्यूसी ने कहा` कि वास्तव में भारतीय बाजार अनुमानित अवधि में 9.7 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 2027 में 7,356 करोड़ डॉलर तक पहुंचने की ओर अग्रसर है। ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म, गेमिंग क्षेत्र, पारंपरिक टीवी, इंटरनेट और आउट-ऑफ-होम (ओओएच) विज्ञापन और मेटावर्स के उपयोग से संचालित भारत के ईएंडएम उद्योग के तेजी से बढ़ने की उम्मीद है।

बीएमडब्ल्यू ने 6 महीने में बेची 5,867 यूनिट्स

-सबसे ज्यादा कारों की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली ।

इस साल के छह महीनों में बीएमडब्ल्यू ने सबसे ज्यादा कारों की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी ने जनवरी से जून के बीच 5,867 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की है। वहीं बीएमडब्ल्यू का टू-व्हीलर मार्केट भी गर्म रहा। इसी अवधि में बीएमडब्ल्यू मोटराड ने 4,667 प्रीमियम मोटरसाइकिलों की बिक्री की जो कि पिछले साल की शुरूआती छह महीनों की बिक्री से 50 प्रतिशत अधिक थी। कंपनी ने बताया कि साल-दर-साल के हिसाब से छह महीनों में बिक्री में 5 प्रतिशत का इजाफा हुआ है जो कि भारत में कंपनी की मजबूत हो रही पकड़ का सबूत है। बीएमडब्ल्यू भारत में एक्स1, एक्स3 और एक्स5 जैसी लग्जरी एसयूवी की बिक्री कर रही है। वहीं कंपनी ने लग्जरी कूपे और सेडान लाइनअप में 3 सीरीज, 5 सीरीज और 6 सीरीज जैसी कारें शामिल हैं।

वहीं इलेक्ट्रिक व्हीकल लाइनअप में कंपनी आईएक्स1 और आई4 जैसी कारें बेच रही है। कंपनी भारत में मिनी की लग्जरी कारें भी बेचती है।बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के प्रेजिडेंट विक्रम पवाह ने पीटीआई को एक इंटरव्यू में बताया कि कंपनी की कुल बिक्री का 50 प्रतिशत एसयूवी कारों से आता है। बीएमडब्ल्यू एक्स1 कंपनी की सबसे पॉपुलर मॉडल है जिसकी बिक्री में हिस्सेदारी 20 प्रतिशत से भी अधिक है।

प्रीमियम मोटरसाइकिल सेगमेंट में भी कंपनी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। भारत में बीएमडब्ल्यू मोटराड की सबसे ज्यादा बिकने वाली बाइक्स में जी3 10आर, जी 310आरआर और जी 310 जीएस जैसी बाइक्स शामिल हैं। इन सभी बाइक्स का उत्पादन भारत में ही किया जा रहा है। कंपनी ने जनवरी से जून के बीच मिनी एसई की 500 कारें बेची हैं। उन्होंने बताया कि कार निर्माता लग्जरी इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में 50 प्रतिशत से भी ज्यादा की हिस्सेदारी रखती है।

जर्मन कंपनियों ने कारों की सेफ्टी में किया सुधार

- सेफ्टी रेटिंग में टाटा की कारों को भी पीछे छोडा

नई दिल्ली ।

भारत में कार बेचने वाली जर्मन कंपनियों ने भी अपनी कारों की सेफ्टी में काफी सुधार कर लिया है।भारत में कार बेचने वाली जर्मन कंपनी फॉक्सवैगन की एक सेडान कार ने सेफ्टी रेटिंग में टाटा की कारों को भी पीछे छोड़ दिया है। हम बात कर रहे हैं फॉक्सवैगन वर्टस की जिसमें अव्वल दर्जे की सेफ्टी दी गई है। इस सेडान कार को ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट में सेफ्टी के लिए 5 स्टार रेटिंग मिले हैं। खास बात ये है कि इसे एडल्ट और चाइल्ड प्रोटेक्शन दोनों में ही 5-स्टार दिए गए हैं।वर्टस अपने सेगमेंट में आने वाली होंडा सिटी से भी अधिक सुरक्षित है। होंडा सिटी ने ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट में 4-स्टार रेटिंग हासिल किया था। सेडान सेगमेंट में वर्टस के जितनी सुरक्षित कार केवल स्कोडा स्लाविया है। दोनों कारें एक ही डिजाइन प्लेटफॉर्म को साझा करती हैं।

फॉक्सवैगन वर्टस की कीमत 11.47 लाख रुपये से 18.76 लाख रुपये (एक्स-शोरूम दिल्ली) के बीच है। इसे दो वेरिएंट-डायनेमिक लाइन (कम्फर्टलाइन, हाईलाइन, टॉपलाइन) और परफॉर्मेंस लाइन (जीटी प्लस) में पेश किया गया है। वर्टस में दो पेट्रोल इंजन ऑप्शन मिलता है। पहला इंजन 1-लीटर पेट्रोल इंजन है जो 115पीएस की पॉवर और 178 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। वहीं दूसरा इंजन 1.5-लीटर पेट्रोल यूनिट है जो 150 की पॉवर 250एनएम का अधिकतम टॉर्क देता है। कार के साथ 6-स्पीड मैनुअल, 6-स्पीड ऑटोमैटिक, 7-स्पीड डुअल-क्लच ट्रांसमिशन और 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन का विकल्प मिलता है। वर्टस में वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और ऐप्पल कारप्ले के साथ 10.1-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, पुश-बटन स्टार्ट/स्टॉप और पूरी तरह से डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले शामिल है।

इसमें सिंगल-पेन सनरूफ, कनेक्टेड कार तकनीक, एक वायरलेस फोन चार्जर, हवादार फ्रंट सीटें और रेन-सेंसिंग वाइपर जैसे फीचर्स भी मिलते हैं। इसमें सुरक्षा के लिहाज से 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ईएससी), हिल होल्ड असिस्ट, इसोफिक्स चाइल्ड सीट एंकरेज और रियर पार्किंग सेंसर मिलते हैं। बता दें कि भारत में सेफ कारों की डिमांड बढ़ रही है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

-अक्षर को मिल सकता है अवसर

क्वीन्स पार्क ओवल (एजेंसी)। भारतीय टीम गुरुवार से यहां मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच को भी जीतकर 2-0 से सीरीज अपने नाम करने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने इससे पहले डोमिनिका में हुए पहले टेस्ट को तीन दिनों में ही एक पारी और 141 रन से जीत लिया था। ऐसे में इस मैच में भी भारतीय टीम को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजी और गेंदबाजी के सामने मेजबान टीम काफी कमजोर नजर आयी थी। गेंदबाजी में जहां स्पिनर और अश्विन ओर रविन्द्र जडेजा को खेलने में कैरिबियाई बल्लेबाज असफल रहे थे। वहीं इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए यशस्वी जायसवाल और कप्तान रोहित शर्मा ने शतक लगाये थे। यशस्वी अब इस दूसरे मैच में भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। युवा बल्लेबाज शुभमन गिल पहले टेस्ट में रन नहीं बना पाये थे। ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में बड़ी पारी खेलना रहेगा। इसके अलावा अनुभवी बल्लेबाज और उपकप्तान आजिंक्य रहाणे के लिए भी ये मैच बेहद अहम है। लंबे समय बाद वापसी कर रहे रहाणे इस मैच में बड़ी पारी खेलकर टीम में अपनी जगह रखना चाहेंगे। यह मैच दोनों टीमों के बीच सौवां टेस्ट भी है। भारतीय टीम के कप्तान रोहित ने कहा है कि यह बड़ा अवसर है और उनकी टीम पहले मैच की तरह इसमें भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी।

इस टेस्ट के बाद भारतीय टीम को दिसंबर जनवरी में ही दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टेस्ट खेलना है। ऐसे में रहाणे जैसे खिलाड़ियों के लिये अपनी जगह पक्की करने का ये अंतिम अवसर है। पिछले 18 महीने में पहला टेस्ट खेलते हुए रहाणे ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में अच्छा प्रदर्शन किया पर डोमिनिका में उन्हें अवसर नहीं मिल पाया क्योंकि भारतीय टीम ने एक पारी में ही जीत दर्ज कर ली थी। ऐसा माना जा रहा है कि भारतीय टीम इस मैच में भी एक ही बल्लेबाजी के इरादे से उतरेगी। ऐसे में रहाणे को रन बनाने होंगे। इस कारण है कि दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले श्रेयस अय्यर भी फिट हो जायेंगे और वह भी मध्यक्रम में अपनी दावेदारी पेश करेंगी। टीम के सहायक कोच विक्रम राठोर के अनुसार दक्षिण अफ्रीका दौरे में रहाणे अहम रहेंगे। जिस प्रकार यहां स्पिन को सहायता मिल रही है। उसको देखते हुए इस मैच में अक्षर पटेले को तीसरे स्पिनर के तौर पर अवसर मिल सकता है। टीम में अधिक बदलाव की उम्मीद नहीं है। इस मैच में तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट को शायद ही अवसर मिले क्योंकि उनका पदर्शन अब तक उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। 31 वर्ष के

उनादकट ने 13 साल में तीन ही टेस्ट खेले हैं। डोमिनिका में उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला और उन्होंने नौ ओवर ही डाले। पहले मैच में जिस प्रकार भारतीय स्पिनरों ने दबाव बना उसी को देखते हुए इस मैच में मेजबानों ने ऑलराउंडर रेमन रीफर की जगह स्पिन ऑलराउंडर केविन सिनक्लेयर को शामिल किया है। ऐसे में अक्षर या शार्दुल ठाकुर को भी अवसर मिल सकता है, अक्षर की गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी भी बेहतर हुई है।

बजरंग पूनिया को ट्रायल से छूट देने पर उठे सवाल, सुजीत बोले- इसे 5 पहलवान हरा सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंडर 23 एशियाई चैम्पियन सुजीत कलकल ने बजरंग पूनिया को एशियाई खेलों में सीधे प्रवेश देने पर आईओए की तदर्थ समिति की आलोचना करते हुए कहा है कि ओलंपिक चैम्पियन बनने का सपना देखने वाले अगली पीढी के पहलवानों के साथ यह नाइंसाफी है। भारतीय ओलंपिक संघ की तदर्थ समिति ने मंगलवार को तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग (65 किलो फ्रीस्टाइल) और विनेश फोगाट (53 किलो) को 22 और 23 जुलाई को यहां होने वाले एशियाई खेलों के चयन ट्रायल से छूट दे दी। अंडर 20 विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता कलकल ने कहा कि 65 किलो में कम से कम पांच छह पहलवान हैं जो बजरंग को हरा सकते हैं।

उन्होंने कहा ,'' मैंने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल ट्रायल में एक साल पहले बजरंग का सामना किया था जो काफी करीबी मुकाबला था। ट्रायल के दौरान बजरंग को सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश मिला जबकि हमने सारे मुकाबले खेले।' उन्होंने कहा कि हाल ही में उन्होंने अमेरिका के जान माइकल डी को 8.2 के अंतर से हराया जबकि बजरंग विश्व चैम्पियनशिप में इसी पहलवान से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गए थे।

उन्होंने कहा,'विश्व चैम्पियनशिप में भी बजरंग को ट्रायल के बिना भेजा गया था।अमेरिकी पहलवान ने उसे 10.0 से हराया और मैंने उसी अमेरिकी पहलवान को विश्व रैंकिंग सीरिज में 8.2 से मात दी।' सुजीत ने टयूनिस में हुई रैंकिंग सीरिज जीती थी। उन्होंने कहा ,'' मैं यह नहीं कहता कि सिर्फ मैं बजरंग को हरा सकता हूं। हमारे भारवर्ग में कम से कम पांच से छह पहलवान ऐसे हैं जो उसे हरा सकते हैं। यही वजह है कि सभी को समान मौका मिलना चाहिये और निष्पक्ष ट्रायल होना चाहिये।' एशियाई खेल चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से होंगे।

यूरोप दौरे के पहले ही मैच में भारतीय महिला हॉकी टीम को जर्मनी ने हराया

विस्बाडेन (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम के यूरोप दौरे की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। मेजबान जर्मनी ने उसे पहले ही मैच में 4-1 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम टिक नहीं पायी। उसकी ओर से एकमात्र गोल युवा वैष्णवी विट्ठल फाल्के ने 29 वें मिनट में किया। वहीं जर्मनी की ओर से नाइक लोरेंज ने छठे और 59वें मिनट जबकि जेटे फ्लेशट्ज ने 14 वें और 43वां मिनट में दो दो-दो गोल किये। जर्मनी ने इस मैच की आक्रामक शुरुआत की और शुरुआत में ही दो गोल दागकर भारतीय टीम पर दबाव बना दिया।

नाइक ने छठे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला जबकि जेटे ने पेनल्टी स्ट्रोक पर एक गोल किया। भारतीय टीम पहले हाफ में एक भी गोल नहीं कर पायी। वहीं दूसरे हाफ में भारतीय टीम लय में दिखी और उसने मेजबान टीम को गोल कर अवसर नहीं

दिया। भारत की ओर से वैष्णवी ने 29 वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर भारत का खाता खोला। जिससे भारतीय टीम ने दबाव कम किया।

मध्यांतर के समय भारतीय टीम 1-2 से पीछे थी। जर्मनी ने इसके बाद खेल शुरु होने पर आक्रामक रुख अपनाते हुए हमले शुरु कर दिये। मैच के 43वें मिनट में उसको एक पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे जेटे ने गोल में बदलकर अपनी ने इस गोल में बदल कर जर्मनी की बढ़त को 3-1 कर दी। भारतीय टीम ने चौथे क्वार्टर में प्रयास किया पर वह जर्मनी की नाइक को गोल से नहीं रोक पायी। इस प्रकार मेजबान टीम ने चौथा गोल कर मुकाबला जीत लिया।

भारत ने दूसरे महिला एकदिवसीय में बांग्लादेश को 108 रन से हराया

-श्रृंखला 1-1 से बराबर की

मीरपुर (एजेंसी)। भारत ने बुधवार को यहां शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में दूसरे महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बांग्लादेश को 108 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी। भारत ने जेमिमा रोड्रिग्स (86) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (52) के अर्धशतक से आठ विकेट पर 228 रन बनाए। इसके जवाब में बांग्लादेश की टीम 35.1 ओवर में सिर्फ 120 रन पर ढेर हो गई। भारत के लिए स्मृति मंधाना (36) और हरलीन देओल (25) ने भी उपयोगी पारियां खेली। बांग्लादेश के लिए फरगाना हक (47) और रितु मंडल (27) ही भारतीय गेंदबाजों के सामने टिककर खेल पाए। जेमिमा ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाते हुए तीन रन देकर चार विकेट चटकाए। तीसरा और अंतिम एकदिवसीय शनिवार को यहीं खेला जाएगा।

अमेरिकी मेजर लीग में रसेल ने लगाया सबसे लंबा छक्का, स्टेडियम से बाहर गिरी गेंद

लॉस एंजिल्स । वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज आंद्र रसैल आजकल अमेरिकी मेजर लीग में चौके , छक्के बरसा रहे हैं। यहां टूर्नामेंट के 8 वें मैच में मैच लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स की ओर से खेलते हुए रसेल ने सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स टीम के खिलाफ टूर्नामेंट का सबसे लंबा छक्का लगाया। रसेल ने यह छक्का सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की ओर से खेल रहे पाकिस्तान के तेज गेंदबाज गेंदबाज हारिस राउफ पर लगाया। जैसे ही राउफ ने 19 वें ओवर की पहली गेंद फेंकी तो उसपर रसेल ने लंबा छक्का मार दिया। गेंद स्टेडियम से बाहर होकर शहर में सड़क के बीच जा गिरी। यह छक्का देख क्रिकेट प्रशंसक भी हैरान रह गए। इसकी लंबाई 108 मीटर रही। रसेल के इस छक्के का वीडियो मेजर लीग क्रिकेट के आधिकारिक सोशल मीडिया पर भी साझा किया गया है। इस वीडियो को शेयर कर लिखा गया, एक सौ आठ मीटर! जिसका मतलब है कि रसेल के इस छक्के की लंबाई 108 मीटर थी। इससे पहले टेक्सास सुपर किंग्स की ओर से यहां खेलते हुए ड्वेन ब्रावो ने 106 मीटर का छक्का लगाया था पर रसेल उससे आगे निकल गये हैं हालांकि इसके बाद भी उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा।

दूसरे टेस्ट में उतरते ही 500 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले चौथे भारतीय क्रिकेटर बन जाएंगे विराट

क्वीन्स पार्क ओवल । टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली गुरुवार को यहां मेजबान वेस्टइंडीज टीम के खिलाफ यहां दूसरे टेस्ट मैच में उतरते ही एक अहम उपलब्धि हासिल करेंगे। यह विराट का 500वां अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। इसी के साथ ही वह 500 मैचों को खेलने वाले चौथे भारतीय क्रिकेटर बन जाएंगे। विशेषज्ञ कमेंटेटरी आकाश चोपड़ा ने कोहली की इस उपलब्धि की जमकर सराहना करते हुए उन्हें खेल का ब्रांड एंबेसडर बताया। उन्होंने कहा कि विराट का खेल के प्रति समर्पण बहुत स्पष्ट है और यह वास्तव में उन्हें परिभाषित करता है। यही कारण है कि वह आज इस स्तर पर हैं और इस खूबसूरत खेल के ब्रांड एंबेसडर हैं। उन्होंने भारतीय क्रिकेट और सामान्य तौर पर क्रिकेट के लिए जो किया है, उसके लिए हम सभी उनके आभारी हैं। वहीं पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा ने भी विराट की प्रशंसा की और इसे एक और उपलब्धि वाला क्षण बताया, यह एक बहुत ही विशेष उपलब्धि है। साथ ही कहा कि बहुत कम लोग ही यह उपलब्धि हासिल कर पाते हैं। मुझे उम्मीद है कि यह उनके लिए प्रेरणा का काम करेगा और वह देश के लिए अच्छी पारियां खेलते रहेंगे और अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखेंगे। पूर्व बल्लेबाज वसीम जाफर ने भी कोहली की लंबी उम्र की सराहना की और कहा, हर किसी को 500 मैच खेलने का अवसर नहीं मिलता है। साथ ही कहा कि जिस तरह से उन्होंने अपने को फिट बनाए रखा है और अच्छा खेलना जारी रखा है। यह उनके अनुशासन, समर्पण और दृढ़ संकल्प से ही संभव हुआ है।

कोरिया ओपन: सिंधु पहले ही दौर में हारी, प्रियांशु दूसरे दौर में पहुंचे

-सिक्की और रोहन की मिश्रित युगल जोड़ी भी जीती

येओसु (एजेंसी)। भारत की शीर्ष महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को कोरियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले ही दौर में चीनी ताइपे की पेई यू-पो ने हरा दिया। महिला एकल के तीन गेम और तकरीबन एक घंटे तक चले इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में सिंधु 18-21 21-10 13-21 से हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। वहीं पुरुष एकल में भारत के ही प्रियांशु राजावत जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गए हैं। प्रियांशु ने स्थानीय खिलाड़ी चोइ जि हून को पुरुष एकल वर्ग के सीधे गेम में हराया। राजावत ने चोइ को तकरीबन 42 मिनट तक चले मुकाबले में 21-15 21-19 से हराया। अब उनका सामना अगले दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त जापान के कोडाइ नराओका से होगा। वहीं

भारत की ही एन सिक्की रेड्डी और रोहन कपूर की मिश्रित युगल जोड़ी ने फिलिपीन्स की एल्विन मोराडा और एलिसा यसाबेल लियोनार्डो की जोड़ी को सीधे गेम में 21-17 21-17 से हराया। यह भारतीय जोड़ी अब अगले दौर में फेंग यान झी और हुआंग डोंग पिंग की चीन की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी का सामना करेगी। वहीं भारत के किरण जॉर्ज को पहले ही दौर में चीनी ताइपे के खिलाड़ी वांग जू वेइ के हाथों 17-21 9-21 से हार का सामना करन पड़ा है।

भारत की ही आकर्षी कश्यप, तस्नीम मीर, मिथुन मंजूनाथ और अश्मिता चालिहा भी पहले दौर में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। आकर्षी को चीन की झेंग यी मान के खिलाफ 12-21 17-21 से हार का सामना करना पड़ा जबकि तस्नीम को कोरिया की 19वें नंबर की खिलाड़ी किम गा युन ने 11-21 18-21 से हराया। मंजूनाथ को भी मलेशिया के एनजी जे योंग ने आसानी से 21-11 21-4 से हराया। अश्मिता को भी ओलंपिक चैंपियन चेन यूई फेई के खिलाफ सीधे गेम में 13-21 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। बी सुमीत रेड्डी और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय जोड़ी को मिश्रित युगल के पहले दौर में कोरिया के सोंग हयून चो और ली जुंग हयून की जोड़ी ने 23-21, 13-21, 21-12 से पराजित किया।

महिला विश्व कप फुटबॉल में नजरें ऑस्ट्रेलिया पर, पहचान बनाने की कोशिश में न्यूजीलैंड

आकलैंड। रग्बी के लिये अपनी दीवानगी के लिये मशहूर न्यूजीलैंड महिला फुटबॉल विश्व कप की सह मेजबानी के जरिये देश में इस खेल का ग्राफ ऊपर उठते देखना चाहता है । टूर्नामेंट के पहले दिन न्यूजीलैंड का सामना ग्रुप ए में नॉर्वे से और सह मेजबान आस्ट्रेलिया की टक्कर सिडनी में आयरलैंड से होगी । कीवी डिफेंडर अली रिले ने कहा ,'' मैं उम्मीद करती हूं कि यहां हमारे मैच के लिये ही नहीं बल्कि सभी मैचों के लिये भारी संख्या में दर्शक आयेंगे यह विश्व कप है और हम इसे लेकर काफी रोमांचित हैं । हम इसके लिये तीन साल से मेहनत कर रहे हैं । ' न्यूजीलैंड फुटबॉल ने ऐलान किया है कि आकलैंड के ईडन पार्क पर पहले मैच में कम से कम 50000 दर्शक होंगे जो देश के फुटबॉल इतिहास में सबसे ज्यादा है । आस्ट्रेलिया के पहले मैच के लिये टिकटों की मांग इतनी अधिक है कि मैच स्टेडियम आस्ट्रेलिया में कराना पड़ रहा है जिसकी दर्शक क्षमता 82000 है और इसे सिडनी ओलंपिक 2000 के लिये बनाया गया था । न्यूजीलैंड ने पिछले पांच में से एक भी बार विश्व कप मैच नहीं जीता है । इस साल उसने नौ मैच खेले और सात में पराजय झेलनी पड़ी । दूसरी ओर नॉर्वे की टीम 1995 में विश्व कप जीत चुकी है और ग्रुप ए की सबसे मजबूत टीमों में से है । न्यूजीलैंड के खिलाफ उसने सात में से पांच मैच जीते, एक ड्रॉ रहा और एक गंवाया । नॉर्वे के कोच हेजे रिसे ने कहा ,'' दोनों टीमों पर दबाव होगा लेकिन हम पूरी तैयारी के साथ आये हैं ।' दूसरी ओर आस्ट्रेलिया के मैच में नजरें सैम कैर पर लगी होंगी जो 63 अंतरराष्ट्रीय गोल कर चुकी हैं । हाल ही में चेलसी की महिला सुपर लीग में लगातार चौथी खिताबी जीत में उनकी अहम भूमिका रही । आस्ट्रेलिया ने फरवरी में कप आफ नेशंस में एक भी मैच नहीं गंवाया और अप्रैल में इंग्लैंड के 30 मैचों के विजय अभियान पर रोक लगाई । आयरलैंड पहली बार विश्व कप खेल रहा है और कोलंबिया के खिलाफ ब्रिसबेन में अभ्यास मैच 20 मिनट के बाद ही रोकना पड़ा क्योंकि आयरिश खिलाड़ियों ने अति आक्रामक खेल की शिकायत की थी ।

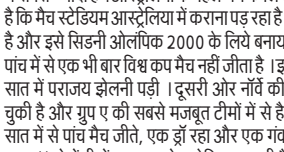

आयरलैंड दौरे से पहले शायद ही फिट हो पायें बुमराह

मुम्बई (एजेंसी)। टीम इंडिया के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं और इसी कारण उनका अगले माह आयरलैंड जाना तय नहीं है। बुमराह भारतीय टीम के लिए बेहद अहम है। इसी कारण विश्वकप से पहले टीम प्रबंधन उनकी फिटने को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता है। अभी वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) की खेल विज्ञान और चिकित्सा टीम की निगरानी में अभ्यास कर रहे हैं। अगर बुमराह 18 अगस्त से शुरू होने वाले आयरलैंड दौरे पर जाते भी हैं तब भी इसकी संभावना बहुत कम है कि वह तीनों ही मैच खेल सकें। इन मैचों का आयोजन एक दिन के अंतराल पर रखा गया है।

बुमराह अभी पीठ के निचले हिस्से में हुए 'स्ट्रेस फ्रैक्चर की सर्जरी से उबर रहे हैं। विश्वकप को देखते हुए उनका लक्ष्य एकदिवसीय में वापसी करना होगा पर उनकी फिटनेस पर नजर रख रही टीम का प्रयास है कि वह चार ओवर के स्पेल से शुरुआत करे। फिजियो और चिकित्सकों ने अभी तक इस तेज गेंदबाज को आयरलैंड दौरे की अनुमति भी नहीं दी है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने कहा,'' अभी तक होता ये है कि अगर कोई चोट के कारण लंबे समय बाद वापसी करता है तो उसे अपनी फिटनेस साबित करने के लिए घरेलू क्रिकेट में खेलना होता है। वहीं मुझे लगता है कि एनसीए और चयन समिति ने उन्हें छूट दी है। इसी कारण वह देवधर ट्रॉफी के मैचों के लिए पश्चिम क्षेत्र की टीम में शामिल नहीं थे।

आयरलैंड दौरे के लिए टीम की घोषणा कुछ दिनों में की जाएगी और उससे पहले बुमराह को उबरने का पूरा अवसर दिया जाएगा। सूत्रों ने कहा,'' आयरलैंड दौरे के लिए चयन बैठक से पहले एनसीए के फिजियो अगरकर और उनकी टीम को सभी खिलाड़ियों की फिटनेस रिपोर्ट देंगे। यदि फिजियो की रिपोर्ट में यह बात सामने आती है कि बुमराह चार ओवर करने के अलावा 16 ओवर तक क्षेत्ररक्षण करने में सक्षम हैं और उसके बाद एकदिवसीय में 40 ओवर तक क्षेत्ररक्षण कर सकते हैं तो तभी उनका चयन होगा।

दो साल में केवल 114 क्रिकेटरों के डोप टेस्ट हुए , वाडा ने जतायी नाराजगी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) के तहत आने के बाद भी अब तक केवल 114 क्रिकेटर ही डोप जांच से गुजरे हैं। कप्तान रोहित शर्मा के सबसे अधिक 6 डोप टेस्ट हुए हैं जबकि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सहित कई खिलाड़ी एक बार भी डोपजांच से नहीं गुजरे हैं। साल 2021 और 2022 के आंकड़े को देखें तो दो साल में कुल 5962 एथलीटों की डोप जांच हुई पर इसमें कुल 114 क्रिकेटरों की जां ही हुई। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय क्रिकेटर डोप जांच के मामले में दूसरे देशों से काफी पीछे हैं। इंग्लैंड में साल 2021 में 96 जबकि ऑस्ट्रेलिया में 69 क्रिकेटर्स के टेस्ट हुए हैं। कम क्रिकेटरों के डोप टेस्ट पर विश्व डोपिंग एजेंसी (वाडा) ने भी नाडा की कार्य प्रणाली पर सवाल उठाये हैं। रोहित पिछले साल के दौरान मुंबई, अहमदाबाद, चेन्नई और यूएई में डोप टेस्ट में शामिल हुए। इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव और चेतेश्वर पुजारा सहित 7 खिलाड़ियों का केवल एक बार ही डोप टेस्ट लिया गया। नाडा ने बीसीसीआई से अनुबंधित 25 खिलाड़ियों में से 12 की एक भी डोप जांच नहीं हुई है। इन खिलाड़ियों में इसमें विराट कोहली, हार्दिक पंड्या, तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, शार्दुल ठाकुर और अर्शदीप सिंह शामिल हैं। वाडा ने कम जांच को लेकर नाडा के कामकाज पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि भारतीय एजेंसी डोप में शामिल खिलाड़ियों को पकड़ने के लिए ठीक ढंग से काम नहीं कर रही है। इसी कारण कई भारतीय एथलीट डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाये गये है। इसके बाद भी क्रिकेटरों की डोप जांच नहीं होना हैरानी की बात है।

राष्ट्रमण्डल खेलों 2026 की मेजबानी से विक्टोरिया के हटने के बाद भारत कर सकता है दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य के 2026 राष्ट्रमण्डल खेलों की मेजबानी से इंकार के बाद अब भारत खेलों के आयोजन की दावेदारी कर सकता है। विक्टोरिया राज्य ने खेलों के आयोजन पर होने वाले भारी खर्च को देखते हुए मेजबानी से अपने हाथ खींच लिए हैं। विक्टोरिया के प्रधानमंत्री डेनियल एंड्रयूज ने कहा कि उनकी सरकार पिछले साल इस टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए सहमत जरुरी हुई थी पर स्वास्थय और शिक्षा के बजट में कटौती कर इसका आयोजन नहीं चाहती।' दूसरी ओर अब माना जा रहा है कि इसकी मेजबानी के लिए भारत आगे आ सकता है।

इसी के तहत ही गुजरात सरकार ने 2036 ओलिंपिक खेलों की मेजबानी के लिए बोली लगाने के लिए अहमदाबाद में बुनियादी ढांचा तैयार करना भी शुरू कर दिया है। इससे संकेत मिलते हैं वह 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स मेजबानी के लिए अहमदाबाद के लिए बोली लगा सकती है। गुजरात सरकार के सूत्रों ने बताया कि वह 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए बोली लगाने के लिए अहमदाबाद की तैयारी कर रही थी पर अब वह 2026 के लिए विचार कर रही है। उम्मीद है कि केंद्र सरकार इसका समर्थन करेगी।

गौरतलब है कि ओलिंपिक के लिए अहमदाबाद की बोली के लिए मास्टर-प्लान तैयार करने के लिए ऑस्ट्रेलिया स्थित बिजनेस प्लानिंग कंसल्टेंसी पॉपुलस को काम पर रखा गया था। इसके साथ ही सरदार वल्लभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव को विभिन्न ओलिंपिक खेल खेलने की सुविधाओं के साथ विकसित किया जाएगा, क्योंकि अहमदाबाद 2036 ओलिंपिक की मेजबानी के लिए बोली लगाएगा। वहीं राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) ने एक बयान जारी कर कहा कि वे अपने विकल्पों पर सलाह ले रहे हैं। सीजीएफ ने कहा कि खेलों के आयोजन के लिए अनुमानित लागत में वृद्धि मुख्य रूप से क्षेत्रीय, बहु-शहर मेजबान मॉडल और विक्टोरिया सरकार के आयोजन स्थलों की योजना में बदलाव और अधिक खेलों को शामिल करने के फैसले के कारण हुई।

बायोटेक क्षेत्र में नए निवेश हेतु एक ही दिन में दो हजार करोड़ रुपए के निवेश के लिए 15 कंपनियों ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए

गांधीनगर ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में पॉलिसी ड्रिवन स्टेट गुजरात, पूरे राज्य के भीतर औद्योगिक क्षेत्र सहित एग्रीकल्चर, सर्विस सेक्टर तथा नए युग के अनुरूप बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर में भी विकास का दायरा बढ़ा रहा है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा पिछले साल बायोटेक्नोलॉजी पॉलिसी 2022-27 की घोषणा की गई थी। राज्य सरकार द्वारा इस पॉलिसी के अंतर्गत 25% कैपेक्स सपोर्ट, पांच वर्षों के लिए 15% ओपेक्स सपोर्ट, बैंक ऋण पर 7% ब्याज सब्सिडी और रोजगार सपोर्ट जैसे प्रोत्साहन प्रदान किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में घोषित इस बायोटेक्नोलॉजी पॉलिसी को स्टेक होल्डर्स की तरफ से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। इस पॉलिसी की फलश्रुति के रूप में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में 19 जुलाई, बुधवार को गांधीनगर में राज्य में बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र में नए निवेश के लिए एक ही दिन में दो हज़ार करोड़ रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस अवसर पर मौजूद विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव विजय नेहरा ने राज्य सरकार की ओर से इन एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

गुजरात की 13 तथा महाराष्ट्र व दिल्ली की एक-एक कंपनियों द्वारा हस्ताक्षरित इन एमओयू से बायोटेक उद्योग में आने वाले समय में लगभग 3 हजार अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। राज्य सरकार के साथ हस्ताक्षरित एमओयू में विभिन्न प्रमुख कंपनियां शामिल हैं, जिनमें महाराष्ट्र की एम्बियो लिमिटेड और नई दिल्ली की बायोटेंड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ-साथ गुजरात की कई स्थानीय औद्योगिक इकाइयां भी शामिल हैं। ज़ायडस लाइफसाइंसेज, कॉनकॉर्ड बायोटेक और हेस्टर बायोसाइंसेज लिमिटेड जैसी उल्लेखनीय कंपनियों ने कुल 1000 करोड़ रुपए के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। इसके अतिरिक्त, मीटियोरिक बायो-फार्मास्युटिकल प्राइवेट लिमिटेड, जो कि एक स्थानीय स्तर की बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनी है, ने भी लगभग 500 करोड़ रुपए के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। इस सूची में एंडोक बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड, गुजरात थेमिस बायोसीन लिमिटेड, स्टीवियाटेक लाइफ प्राइवेट लिमिटेड, सेलेक्सिस बायोसाइंसेज प्राइवेट लिमिटेड, कानिवा बायोसाइंस प्राइवेट लिमिटेड, और अन्य महत्वपूर्ण औद्योगिक इकाइयाँ भी शामिल हैं। इस एमओयू में मुख्यत: रूप से फर्मेंटेशन आधारित APIS तथा बायोफर्टिलाइजर्स (जैव उर्वरक) सेक्टर तथा प्रिसीजन फर्मेंटेशन, एनिमल टिश्यू कल्टीवेशन जैसे उभरते क्षेत्रों में निवेश पर केंद्रित है। इतना ही नहीं, आने वाले दिनों में राज्य के कच्छ और देवभूमि द्वारका से लेकर वापी-वलसाड तक विभिन्न जिलों में ये उद्योग शुरू हो जाएंगे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर के संपूर्ण ईकोसिस्टम को नए युग के अनुरूप उभरते क्षेत्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस उद्देश्य के साथ गुजरात स्टेट बायोटेक्नोलॉजी मिशन (जीएसबीटीएम) नोडल एजेंसी के रूप में कार्यरत की गयी है। इसके अलावा, गुजरात बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर (GBRC), वडोदरा के पास सावली टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस इनक्यूबेटर (एसटीबीआई) तथा गिफ्ट सिटी में गुजरात बायोटेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी भी कार्यरत है। राज्य सरकार का गुजरात में बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र में रिसर्च एंड डेवलपमेंट, एम्प्लॉयमेंट जनरेशन तथा एकेडमिक कोर्सेज के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करवाने का लक्ष्य है। इस दिशा में ये 15 एमओयू राज्य को नई दिशा देंगे। मुख्यमंत्री के समक्ष इस एमओयू के अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के कैलाशनाथन, एडिशनल चीफ सेक्रेटरी पंकज जोशी, उद्योग विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी एस. जे. हैदर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव विजय नेहरा, उद्योग आयुक्त संदीप सागले तथा अन्य उद्योगपति शामिल हुए।

अमूल डेयरी के डिरेक्टर भाजपा छोड़ कांग्रेस में हुए शामिल

अहमदाबाद। लोकसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों में भर्ती मेला शुरू हो गया है। पिछले सप्ताह आम आदमी पार्टी (आप) के गुजरात के कई पदाधिकारियों ने कांग्रेस जॉइन की थी। अब अमूल डेयरी के डिरेक्टर जुवानसिंह चौहाण अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए। गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल ने जुवानसिंह चौहाण समेत उनके समर्थकों को पार्टी में स्वागत किया। बता दें कि जुवानसिंह पहले कांग्रेस में ही थे, लेकिन वर्ष 2022 में टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर भाजपा में शामिल हो गए थे। हांलाकि भाजपा जॉइन करने के बाद अब जुवानसिंह ने कांग्रेस में घरवापसी की है। कांग्रेस में शामिल होने के बाद जुवानसिंह ने कहा कि अमूल डेयरी में भाजपा गैरजरूरी राजनीतिक दखलंदाजी कर रही है, जिससे सभासदों के हितों का नुकसान हो रहा है। मैंने कई बार राजनीतिक हस्तक्षेप ना करने की पेशकशकी है। लेकिन कोई नतीजा नहीं आने पर सभासदों के हित में भाजपा छोड़ने का फैसला किया है। जुवानसिंह समेत उनके समर्थकों का स्वागत करते हुए गुजरात कांग्रेस प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में राज्य और देश को नई ऊंचाई पर ले जाए ऐसी सहकारी संस्था अमूल की स्थापना की गई थी। अमूल सहकारी ढांचे का उत्तम मॉडल है। लेकिन भाजपा की तानाशाही, अहंकारी रूख और सहकारी क्षेत्र विरोधी प्रशासन के कारण सभासद मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेवजह राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण गुजरात में सहकारी क्षेत्र टूटता जा रहा है। कांग्रेस राज्य के सभी मुद्दों और जनहित की बातों को लेकर निकली है, इसी वजह से सबी वर्ग के लोग आज कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं।

सूरत भूमि, सूरत। रक्षक ग्रुप और ब्लैक ईगल ऑर्गेनाइजेशन ने आज हरे कृष्णा विद्यालय स्कुल योगीचौक वराछा में बड़ी संख्या में माताओं और बेटियों को स्टॉप लव जिहाद और सोशल मीडिया अवेयरनेस के बारे में जानकारी दी और इस साजिश से बचने के बारे में विस्तार से जानकारी दी जिसमें रक्षक ग्रुप अध्यक्ष गौरवभाई पटेल, ऑर्गेनाइजेशन जनरल सचिव जयेशभाई जोशी, रक्षक समूह महिला विंग से शिशिरभाई पटेल श्रीमती वर्षाबहन, रिटाबहन, वैशालीबहन, अमृताबहन उपस्थित थे।

गुजरात में 69वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2024 के आयोजन के लिए गुजरात सरकार के पर्यटन निगम और वर्ल्डवाइड मीडिया के बीच हुआ एमओयू

गांधीनगर।

गुजरात में पहली बार आयोजित होने वाले 69वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स के माध्यम से गुजरात देश में फिल्म डेस्टिनेशन स्टेट के रूप में उभरने के लिए तैयार है। 69वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स समारोह के आयोजन के लिए राज्य सरकार के उपक्रम टूरिज्म कॉर्पोरेशन ऑफ गुजरात लिमिटेड (टीसीजीएल) और वर्ल्डवाइड मीडिया प्रा. लिमिटेड के बीच बुधवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा 2022 में जारी की गई सिनेमैटिक टूरिज्म पॉलिसी के चलते गुजरात में फिल्म उद्योग आकर्षित हुआ है। फिल्मफेयर-2024 का आयोजन इसमें एक और मील का पत्थर साबित होगा। इस एमओयू पर राज्य सरकार की ओर से पर्यटन निगम के प्रबंध निदेशक सौरभ पारधी और वर्ल्डवाइड मीडिया की ओर से सीईओ दीपक लांबा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि फिल्मफेयर अवॉर्ड्स भारतीय सिनेमा के सर्वाधिक प्रतिष्ठित अवॉर्ड्स में से एक है। राज्य में ऐसे प्रतिष्ठित अवॉर्ड्स समारोह का आयोजन होने से कई मशहूर हस्तियां, फिल्म निर्माता और उद्योग पेशेवर बड़ी संख्या में गुजरात आएंगे। आगंतुकों का यह प्रवाह राज्य में पर्यटन और होटल बुकिंग सहित अन्य गतिविधियों को तेजी देगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा तथा रोजगार का सृजन भी हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि फिल्मफेयर अवॉर्ड्स का आयोजन भारतीय फिल्म उद्योग और गुजरात की स्थानीय संस्कृति के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को आसान बनाएगा। गुजरात के कलाकारों और फिल्म निर्माताओं को भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के पेशेवरों के साथ बातचीत और विचारों के आदान-प्रदान तथा फिल्म निर्माण में नए ट्रेंड, टेक्नोलॉजी और तकनीक के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस संदर्भ में साफ कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दी गई 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को हमारी फिल्म इंडस्ट्री भली-भांति चरितार्थ करती है। उन्होंने कहा कि राज्य में फिल्मफेयर अवॉर्ड्स समारोह के आयोजन से राज्य को फिल्म डेस्टिनेशन के तौर पर प्रमोट किया जा सकेगा। इससे गुजरात को संभावित फिल्मी लोकेशन के रूप में उल्लेखनीय एक्सपोजर और प्रमोशन भी मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह इवेंट राज्य के प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विरासत और इन्फ्रास्ट्रक्चर का प्रदर्शन करेगा, जो फिल्म निर्माताओं को भविष्य के फिल्म प्रोजेक्ट्स के लिए गुजरात को पृष्ठभूमि के तौर पर उपयोग करने के लिए आकर्षित करेगा। इसके फलस्वरूप राज्य में फिल्म निर्माण और निवेश में भी वृद्धि होगी।

मूसलाधार बारिश से गुजरात खस्ताहाल, बाढ़ से निपटने के लिए एनडीआरएफ सक्रिय

अहमदाबाद।

गुजरात के अधिकतर जिलों में मूसलाधार बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। यहां पर 6 घंटों में ही 250 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। अभी भी लगातार बारिश होने से लोग बाढ़ में घिरने की कगार पर हैं। हालांकि एनडीआरएफ को सतर्क किया गया है, जो लगातार ऐसे क्षेत्रों पर निगरानी रखे हुए हैं। बारिश के कारण राज्य के कई प्रमुख शहरों में लोगों को जलजमाव और ट्रैफिक जाम की समस्या से दोचार होना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने अपने दैनिक पूर्वानुमान में कहा है कि गुजरात के विभिन्न हिस्सों में इस पूरे सप्ताह भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। विशेष रूप से, 19 जुलाई को यानी आज अमरेली, भावनगर, वलसाड, दमन और दादरा नगर हवेली जैसे स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

इसके अतिरिक्त, पूरे राज्य में पूरे सप्ताह हल्की से मध्यम बारिश, गरज के साथ बौछारें पड़ने की उम्मीद है। इससे पहले गुजरात के राजकोट, सूरत और गिर सोमनाथ जिलों के हिस्सों में मंगलवार को अत्यधिक भारी बारिश हुई। इस दौरान कुछ स्थानों पर बाढ़ जैसी स्थिति बन गई और सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। वहीं राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने बताया कि राज्य के गिर सोमनाथ जिले की सूत्रपाड़ा तालुका में बीते 14 घंटों में मंगलवार सुबह 6 बजे तक सबसे अधिक 345 मिलीमीटर बारिश हुई।

हालांकि आईएमडी ने अगले कुछ दिनों के दौरान राज्य के अलग-अलग इलाकों, खासकर सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात क्षेत्रों के कुछ जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान जताया है। राज्य प्रशासन ने गुजरात में भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति और समग्र मानसून की स्थिति से निपटने के लिए तैयारियों की समीक्षा की। एसईओसी ने कहा कि राजकोट जिले के धोराजी तालुका में सुबह 6 बजे से 14 घंटे की अवधि के दौरान लगभग 250 मिमी बारिश हुई, जबकि केवल दो घंटे में 145 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं सूरत में भी भारी बारिश हुई और दिन के दौरान लगभग 104 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिससे दक्षिण गुजरात शहर में सामान्य जीवन बाधित हो गया।

इधर जूनागढ़ जिले के कुछ हिस्सों में भी मूसलाधार बारिश हुई। गुजरात के 206 जलाशयों में से 43 को पानी के भारी प्रवाह के कारण हाई अलर्ट पर रखा गया है। सरकार ने कहा कि अठारह जलाशय अलर्ट मोड पर हैं और अन्य 19 के लिए चेतावनी जारी की गई है। राज्य सरकार की ओर से जारी अलर्ट में कहा गया है कि व्यापक वर्षा ने खरीफ फसलों की बुआई को बढ़ावा दिया है और इस सीजन में अब तक कुल खेती योग्य क्षेत्र में 71.31 प्रतिशत बुआई की गई है। स्थिति को देखते हुए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को अलर्ट पर रखा गया है।

गिर सोमनाथ के बाद अब जूनागढ़ में मेघ तांडव, कई गांवों से संपर्क टूटा, बिजली आपूर्ति भी हुई ठप

अहमदाबाद।

बीते दिन गिर सोमनाथ में कहर बरपाने के बाद आज जूनागढ़ जिले में मूशलाधार बारिश हो रही है। जूनागढ़ जिले के मांगरोल में 11 ईंच से भी अधिक बारिश होने की खबर है। भारी बारिश के चलते समग्र मांगरोल पानी पानी हो गया है। मांगरोल के निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं, जहां देखो वहां पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। मूशलाधार बारिस से खेत-खलिहान बेट में तब्दील हो गए हैं। लगातार हो रही बारिश के कारण लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इतना ही नहीं कई गांवों से संपर्क टूट गया है और कई गावों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। सुबह से हो रही बारिश के चलते मांगरोल-केशोद हाईवे पर लंबा जाम लग गया है। मांगरोल-केशोद बायपास पर कमर तक पानी भर जाने से लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। जिसकी वजह से वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। जूनागढ़ जिले के मांगरोल-चोरवाड हाईवे को आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। मांगरोल की गायत्रीनगर सोसायटी के मकानों में बरसाती पानी भरने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। घरों में पानी भर जाने से प्रशासन के खिलाफ स्थानीय लोगों में आक्रोश भड़क उठा है। लोग सुबह से अपने घरों से पानी बाहर निकालने की कोशिशें कर रहे हैं। भारी बारिश के कारण मांगरोल का कारेज गांव जलमग्न हो गया है। कारेज के खेत-खलिहान में पानी भर गया है। मांगरोल तहसील के बामणवाला गांव बेट में तब्दील हो गया है। घरों और खेत-खलिहानों जलजमाव हो गया है। भारी बारिश के बीच बिजली आपूर्ति बंद होने से लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। मांगरोल के कई गांवों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। जूनागढ़ जिले की मालिया तहसील में भी मूशलाधार बारिश होने की खबर है। भारी बारिश के चलते माधवनगर, जलाराम मिल समेत इलाकों में पानी भर गया है। निचले इलाकों की कई दुकानों और मकानों में भी बरसाती पानी भर गया है। भारी बारिश की वजह से जामवाडी गांव बेट में बदल गया है। मूशलाधार बारिश की वजह से जामवाडी गांव से संपर्क टूटने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई है। जामवाडी गांव में बिजली आपूर्ति ठप हो गई है।

शाह के मार्गदर्शन में पिछले एक साल में 10 लाख किलोग्राम मादक पदार्थों को किया गया नष्ट

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को 'ड्रग्स तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की। शाह की अध्यक्षता में सम्मेलन के दौरान सभी राज्यों के एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के समन्वय से एनसीबी द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों में 1 लाख 44 हजार किलोग्राम से अधिक नशीले पदार्थों को नष्ट किया गया, जो एक दिन में अब तक का सर्वाधिक ड्रग्स नष्ट करने का रिकॉर्ड है। पिछले एक साल में 10 लाख किलोग्राम मादक पदार्थों को नष्ट किया गया है, जिसका मूल्य लगभग 12,000 करोड़ रुपये है।

वैश्विक स्तर पर भारत को नई पहचान दिलाने वाले शाह का स्पष्ट मानना है कि नशे का कारोबार राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है, जिससे निपटने के लिए केंद्र और राज्य के बीच समन्वय जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र नरेंद्र मोदी के नशा मुक्त भारत के सपने को साकार करने की दिशा में जुटे अमित शाह के मार्गदर्शन में गृह मंत्रालय ने नशे के कारोबार पर लगाम कसने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। इसके परिणामस्वरूप 2013 के बाद से दोगुने से अधिक मात्रा में ड्रग्स को जब्त किया जा चुका है। पिछले 9 साल में जहाँ एनसीबी द्वारा जब्त की गई ड्रग्स की संख्या में लगभग 100त्न की वृद्धि हुई है, वहीं ड्रग तस्करों के खिलाफ 181त्न अधिक मामले दर्ज किए गए हैं और तस्करों की गिरफ्तारी में 296त्न की बढ़ोतरी हुई है। नशे के कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए शाह के मार्गदर्शन में गृह मंत्रालय ने जहाँ एक तरफ राष्ट्रीय नार्को समन्वय पोर्टल (एनकॉर्ड) की स्थापना की, वहीं दूसरी तरफ हर राज्य के पुलिस विभाग में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स बनाया।

भारतीय राजनीति को नए सिरे से परिभाषित करने वाले शाह के कुशल मार्गदर्शन में खुफिया एजेंसियों द्वारा सभी वित्तीय दस्तावेजों का अलग-अलग विश्लेषण करने के बाद वित्तीय जाँच और तस्करों के संपत्ति की जब्ती में बोतरी आई है। साल 2022 में एनसीबी ने 27 ऐसे मामलों में वित्तीय जाँच की जिसमें 15,98,37,784 रुपये की संपत्ति जब्त की गई। डीईए, एएफपी, एनसीए, आरसीएमपी आदि अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर अंतरराष्ट्रीय ड्रग माफिया को नियंत्रित करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। साथ ही, 44 देशों के साथ इस मुद्दे पर द्विपक्षीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर भी किया गया है। देश के 372 जिलों में नशा मुक्ति अभियान के तहत 8000 से अधिक युवा स्वयंसेवकों के माध्यम से जागरूकता फैलाई जा रही है, जिसमें अब तक 3 करोड़ से अधिक युवाओं और 2 करोड़ से अधिक महिलाओं तक पहुँच बनाई जा चुकी है।

ओनिक्स रिन्यूएबल द्वारा भारत की सबसे तेज़ पवन + सौर हाइब्रिड परियोजना कार्यान्वित

गुजरात ।

नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, पवन और सौर ऊर्जा के संयोजन का उपयोग बिजली उत्पन्न करने के लिए किया जाता है जिसे पवन सौर हाइब्रिड सिस्टम के रूप में जाना जाता है। इस प्रणाली को बिजली उत्पन्न करने के लिए सौर पैनलों और पवन टरबाइन जनरेटर का उपयोग करके डिज़ाइन किया गया है। हाल ही में सोलर क्षेत्र की अग्रणी कंपनी ओनिक्स रिन्यूएबल प्रा. लि. द्वारा गुजरात की पहली और भारत की सबसे तेज़ हाइब्रिड परियोजना शुरू की गई है इसकी बिजली उत्पादन क्षमता 45.80 मेगावाट है। पर्यावरण की दृष्टि से लाभकारी यह परियोजना वर्तमान में कई उद्योगों को बिजली से लाभान्वित कर रही है। ओनिक्स द्वारा 500+ मेगावाट की एक परियोजना प्रगति पर है। इसलिए कॉर्पोरेट उद्योगों, निवेशकों को आगामी परियोजनाओं में अपने कैप्टिव प्लांट की बुकिंग के लिए techical@oni&group.in या 9773129386 पर संपर्क करना चाहिए।

इस संबंध में ओनिक्स रिन्यूएबल के अध्यक्ष श्री दिव्येशभाई सावलिया ने कहा, 2008 से संचालित ओनिक्स रिन्यूएबल प्राइवेट लिमिटेड ने समर्थित सेवाएं प्रदान करने में जबरदस्त विशेषज्ञता हासिल की है, जबकि ऊर्जा और पर्यावरण समाधान प्रदाता ओनिक्स सोलर ने 45.80 मेगावाट स्थापित किया है। गुजरात राज्य में पवन-सौर हाइब्रिड कैप्टिव पावर संयंत्र शुरू हो गया है। इसकी स्थापित क्षमता 24.3 मेगावाट पवन ऊर्जा और 21.50 मेगावाट सौर ऊर्जा है। अनुमान है कि संयंत्र प्रति वर्ष 1,11,700 टन के बराबर कार्बन कम करेगा।

125 एकड़ के विशाल क्षेत्र में कार्य करते हुए यह विशाल परियोजना मात्र 4 माह के अत्यंत अल्प समय में शून्य दुर्घटना के साथ पूर्ण की गयी है। इस परियोजना में कुल 9 पवन टरबाइन जनरेटर और 50000 से अधिक सौर मॉड्यूल (पैनल) स्थापित किए गए हैं। राजकोट से 50 कि.मी. की दूरी पर और नेकनाम गांव (तालुका टंकारा) में, यह परियोजना गुजरात की पहली और भारत की सबसे तेज़ हाइब्रिड परियोजना के रूप में शुरू की गई है। ओनिक्स रिन्यूएबल की यह अत्याधुनिक हाइब्रिड पवन+सौर परियोजना हरित भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है। गुजरात में पवन/सौर/हाइब्रिड ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना इस दिशा में एक बड़ा कदम है। जैसे-जैसे सरकार हरित ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है, ओनिक्स सोलर हाइब्रिड परियोजनाओं, सौर ऊर्जा - नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र का एक नया खंड - में अग्रणी स्थिति के साथ उभर रहा है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)